CTET L1 Sanskrit L2 Gujarati P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) Recent theories in the field of child development suggest that development gets influenced by

(i) genetics
(ii) education
(iii) culture
(iv) social policies

(1) (i) only
(2) (i), (ii) only
(3) (i), (ii), (iii) only
(4) (i), (ii), (iii), (iv)

बाल विकास के क्षेत्र में हाल ही के सिद्धान्त यह सुझावित करते हैं कि विकास प्रभावित होता है

(i) आनुवंशिकता से
(ii) शिक्षा से
(iii) संस्कृति से
(iv) सामाजिक नीतियों से

(1) केवल (i)
(2) केवल (i), (ii)
(3) केवल (i), (ii), (iii)
(4) (i), (ii), (iii), (iv)

[Question ID = 1][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q1]

1. 1 [Option ID = 1]
2. 2 [Option ID = 2]
3. 3 [Option ID = 3]
4. 4 [Option ID = 4]

2) Development of children occurs

(1) in an orderly manner but is individualistic in nature.
(2) in a disorderly manner suddenly at a particular moment.
(3) at the same rate for all children across the world.
(4) as a result of schooling only.

बच्चों का विकास किस प्रकार से होता है ?

(1) व्यवस्थित रूप से होता है परन्तु स्वाभाविक रूप से वैयक्तिक होता है।

(2) अव्यवस्थित रूप में, किसी विशिष्ट पल में अचानक से उभर आता है।

(3) पूरे विश्व में सभी बच्चों में एकसमान दर से होता है।

(4) केवल विद्यालयीकरण के परिणाम से होता है।

[Question ID = 2][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q2]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]
3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) __________ is a primary agent/agency of socialisation and _______ is a secondary agent/agency of socialisation among young children.

(1) Family; library

(2) Parents' workplace; neighbourhood

(3) Mass media; family

(4) Law; religious organisation

छोटे बच्चों में समाजीकरण का __________ प्राथमिक कारक/संस्था है और _________ द्वितीयक कारक/संस्था है।

(1) परिवार; पुस्तकालय

(2) अभिभावकों का कार्यस्थल; आस-पड़ोस

(3) संचार माध्यम; परिवार

(4) कानून; धार्मिक संगठन

[Question ID = 3][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q3]

1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4) As per Jean Piaget's theory of cognitive development, at which stage do most children clearly understand Past, Present and Future ?

(1) Sensorimotor

(2) Preoperational

(3) Concerete operational

(4) Formal operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त के अनुसार, अधिकांश बच्चे किस अवस्था में बीते हुए समय, वर्तमान और भविष्य के बारे में स्पष्ट रूप से समझ बना लेते हैं ?

(1) संवेदी-गत्यात्मक

(2) पूर्व-संक्रियात्मक

(3) मूर्त संक्रियात्मक

(4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q4]

1. 1 [Option ID = 13]
2. 2 [Option ID = 14]
3. 3 [Option ID = 15]
4. 4 [Option ID = 16]

5) In Jean Piaget's theory, the basic building blocks of thinking are referred to as

(1) Reflexes

(2) Schemas

(3) Codes

(4) Concepts

जीन पियाज़े के सिद्धान्त में, चिन्तन की बुनियादी निर्मितियों को किस रूप में जाना जाता है ?

(1) सहज क्रियाएँ

(2) स्कीमा

(3) संकेत

(4) अवधारणाएँ

[Question ID = 5][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q5]

1. 1 [Option ID = 17]
2. 2 [Option ID = 18]
3. 3 [Option ID = 19]
4. 4 [Option ID = 20]

6) According to Lev Vygotsky's theory, __________ shape(s) _________ development.

(1) Genes; Social

(2) Culture; Cognitive

(3) Nature; Emotional

(4) Emotions; Physical

लेव वायगोत्स्की के सिद्धान्त के अनुसार, _________ विकास को _________ आकार देता/देते हैं/हैं ।

(1) सामाजिक; आनुवंशिक कारक

(2) संज्ञानात्मक; संस्कृति

(3) भावात्मक; प्राकृतिक कारक

(4) शारीरिक; संवेग

[Question ID = 6][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q6]

1. 1 [Option ID = 21]
2. 2 [Option ID = 22]
3. 3 [Option ID = 23]
4. 4 [Option ID = 24]

7) Lev Vygotsky emphasised upon the role of _______ in the process of cognitive development.

(1) Language

(2) Cognitive conflict

(3) Reflexes

(4) Schemas

लेव वायगोत्स्की ने संज्ञानात्मक विकास की प्रक्रिया में किसकी भूमिका पर बल दिया है ?

(1) भाषा

(2) संज्ञानात्मक द्वंद्व

(3) सहज क्रियाएँ

(4) स्कीमा

[Question ID = 7][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q7]

1. 1 [Option ID = 25]
2. 2 [Option ID = 26]
3. 3 [Option ID = 27]
4. 4 [Option ID = 28]

8) Both Lawrence Kohlberg and _________ have given theories of moral development.

(1) Lev Vygotsky

(2) Jerome Bruner

(3) Jean Piaget

(4) B. F. Skinner

नैतिक विकास का सिद्धान्त लॉरेन्स कोहलबर्ग के साथ-साथ और किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया है ?

(1) लेव वायगोत्स्की

(2) जिरोम ब्रूनर

(3) जीन पियाज़े

(4) बी. एफ. स्किनर

[Question ID = 8][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q8]

1. 1 [Option ID = 29]
2. 2 [Option ID = 30]
3. 3 [Option ID = 31]
4. 4 [Option ID = 32]

9) A teacher should be _________ about his pedagogies.

(1) rigid

(2) inflexible

(3) flexible

(4) ignorant

एक अध्यापक को अपनी शिक्षणशास्त्रीय प्रविधियों के बारे में किस प्रकृति का होना चाहिए ?

(1) दृढ़ (जड़)

(2) ग़ैर-लचीला

(3) लचीला (सुनम्य)

(4) अनजान

[Question ID = 9][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q9]

1. 1 [Option ID = 33]
2. 2 [Option ID = 34]
3. 3 [Option ID = 35]
4. 4 [Option ID = 36]

10) Intelligence Quotient (IQ) tests are often critiqued for

(1) their ability to measure a broad range of skills

(2) having an implicit western culture bias

(3) considering social influence on intelligence

(4) overestimating the influence of emotions of cognition

बुद्धि लब्धि (IQ) परीक्षणों की आलोचना प्राय: क्यों की जाती है ?

(1) कौशलों की विस्तृत श्रृंखला को मापने की उनकी क्षमता

(2) प्रत्यक्ष रूप से पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से ग्रसित

(3) बुद्धि पर सामाजिक प्रभाव का अवबोधन

(4) संज्ञान पर भावनाओं के प्रभाव का अतिशय प्राक्कलन

[Question ID = 10][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q10]
1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11) *Assertion (A) :*
When a student is struggling to find solution for a given problem, the teacher should encourage the student to verbalise her thoughts.
Reason (R) :
Learning is more effective when teachers keep minimal expectation of success from students.
Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
(3) (A) is true but (R) is false
(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :
जब कोई विद्यार्थी किसी दिए गए प्रश्न का हल ढूँढने की प्रक्रिया से जूझ रहा है, तो अध्यापक को उसे अपने विचार मौखिक तौर पर अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
तर्क (R) :
अधिगम तब अधिक प्रभावशाली होता है जब अध्यापक विद्यार्थियों से सफलता की कम-से-कम अपेक्षा रखते हैं।
सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 11][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q11]
1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12) Gender is a __________ construct while sex is a _________ construct.

(1) social, biological
(2) social, moral
(3) moral, social
(4) biological, social

जेंडर __________ निर्मिति है जबकि लिंग ________निर्मिति है।

(1) सामाजिक, जैविक

(2) सामाजिक, नैतिक

(3) नैतिक, सामाजिक

(4) जैविक, सामाजिक

[Question ID = 12][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q12]

1. 1 [Option ID = 45]
2. 2 [Option ID = 46]
3. 3 [Option ID = 47]
4. 4 [Option ID = 48]

13) A teacher should __________ individual differences in learning preferences to facilitate learning for all.

(1) consider

(2) ignore

(3) remove

(4) downplay

एक अध्यापक को सभी के लिए अधिगम सहज-सुगम बनाने के लिए अधिगम प्राथमिकताओं में वैयक्तिक भिन्नताओं के प्रति क्या करना चाहिए ?

(1) उन्हें महत्त्वपूर्ण मानना चाहिए

(2) उनको अनदेखा करना चाहिए

(3) उनको मिटा देना चाहिए

(4) दमन करना चाहिए

[Question ID = 13][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q13]

1. 1 [Option ID = 49]
2. 2 [Option ID = 50]
3. 3 [Option ID = 51]
4. 4 [Option ID = 52]

14) The main purpose of assessments should be to

(1) find ranges in students' scores

(2) understand students' learning progress

(3) identify potential failures and achievers

(4) assign grades to the students

आकलन का मुख्य उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

(1) विद्यार्थियों के अंकों की व्यापकता का पता लगाना

(2) विद्यार्थियों के सीखने की प्रगति के प्रति समझ बनाना

(3) संभाव्य असफल और सफल विद्यार्थियों की पहचान करना

(4) विद्यार्थियों को ग्रेड मान देना

[Question ID = 14][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q14]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) Which of the following technique is likely to encourage critical thinking among students ?

(1) Asking for immediate response on questions

(2) Allowing reflection time to students

(3) Asking close-ended questions to students

(4) Discouraging interaction among students

निम्नलिखित में से कौन-सी प्रविधि विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिन्तन को प्रोत्साहित कर सकती है ?

(1) प्रश्न का तुरन्त उत्तर देने के लिए कहना

(2) विद्यार्थियों को विमर्श हेतु समय देना

(3) विद्यार्थियों से बंद-अंत वाले प्रश्न पूछना

(4) विद्यार्थियों में परस्पर अन्त:क्रिया को निरुत्साहित करना

[Question ID = 15][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q15]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) Which of the following hinders inclusion of students belonging to disadvantaged groups ?

(1) Stereotypes and set beliefs

(2) Child-centric approaches

(3) Formative assessment

(4) Consideration of individual differences

सुविधा वंचित समूहों से संबंध रखने वाले विद्यार्थियों के समावेशन में निम्नलिखित में से किसके द्वारा अवरोध उत्पन्न होता है ?

(1) रूढ़िबद्ध और स्थापित धारणाएँ

(2) बाल-केन्द्रित उपागम

(3) रचनात्मक आकलन

(4) वैयक्तिक भिन्नताओं का ध्यान रखना

[Question ID = 16][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q16]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) Dysgraphia poses direct challenges in

(1) Sketching

(2) Speaking

(3) Seeing

(4) Hearing

पठनवैकल्य प्रत्यक्ष रूप से किस कौशल में चुनौती का कारण बनता है/देता है ?

(1) स्केच बनाना

(2) वाचन

(3) देखना

(4) सुनना

[Question ID = 17][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q17]

1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) In order to successfully include students with visual impairment, a teacher should

(1) write as much information as possible on the board

(2) restrict the use of assistive devices in class

(3) verbalise the written information

(4) give very easy tasks only to these students

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को सहजता के साथ शामिल करने के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) जितनी अधिक संभव हो सके, अधिक से अधिक सूचनाएँ श्यामपट्ट पर लिखनी चाहिए

(2) कक्षा में समर्थक उपकरणों का प्रयोग बाधित करना चाहिए

(3) लिखित सूचनाओं को मौखिक रूप से सम्प्रेषित करना चाहिए

(4) इन विद्यार्थियों को केवल बहुत ही सरल से कार्य देने चाहिए

[Question ID = 18][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q18]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) Which of the following is a typical identifying characterstic of students with Autism ?

(1) Highly developed social skills

(2) Impulsivity

(3) Impaired communication skills

(4) Above-average IQ levels

स्वलीनता विकार से जूझते विद्यार्थियों की प्रतिनिधिक पहचान विशेषता निम्नलिखित में से क्या है ?

(1) उच्च रूप से विकसित सामाजिक कौशल

(2) आवेगशीलता

(3) अवरुद्ध सम्प्रेषण कौशल

(4) औसत से ऊपर बुद्धि लब्धि स्तर

[Question ID = 19][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q19]

1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Giftedness in children is characterised by

(1) low levels of intelligence

(2) high levels of comprehension

(3) easily giving up on tasks

(4) inability to perform simple tasks with focussed attention

बच्चों में प्रतिभाशीलता किस प्रकार से परिलक्षित होती है ?

(1) बुद्धि का निम्न स्तर

(2) बोधगम्यता का उच्च स्तर

(3) कार्यों को आसानी से छोड़ देना

(4) छोटे-छोटे कार्यों को ध्यान केन्द्रित करके कर पाने की अक्षमता

[Question ID = 20][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q20]
1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) *Assertion (A) :*

Schools should emphasize on curriculum aimed at constructing new knowledge.

Reason (R) :

Children are capable of constructing and interpreting new knowledge with support of teacher.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

विद्यालयों को नवीन ज्ञान के सृजन की ओर लक्षित पाठ्यचर्या पर बल देना चाहिए ।

तर्क (R) :

बच्चों में अध्यापक के सहयोग से नवीन ज्ञान के सृजन और उसकी व्याख्या करने की क्षमता होती है।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 21][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q21]
1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) Schools should emphasise on

(1) reproduction of materials learnt

(2) textbook learning

(3) decontextualised learning

(4) constructive learning

विद्यालयों को किस पर बल देना चाहिए ?

(1) सीखी गई सामग्रियों को ज्यों का त्यों कह देना

(2) पाठ्यपुस्तक से सीखना

(3) संदर्भरहित अधिगम

(4) रचनात्मक अधिगम

[Question ID = 22][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q22]

1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23) In order to create a conducive learning environment, it is important to

(1) minimise opportunities for self-learning

(2) give chances for self-assessment

(3) promote competition among students

(4) follow standarised curriculum

प्रेरक अधिगम परिवेश सृजित करने के लिए क्या महत्त्वपूर्ण है ?

(1) स्व-अधिगम के लिए अवसरों को कम कर देना

(2) स्व-आकलन हेतु अवसर देना

(3) विद्यार्थियों में प्रतियोगी भावना को बढ़ावा देना

(4) मानकीकृत पाठ्यचर्या का अनुसरण करना

[Question ID = 23][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q23]

1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) *Assertion (A) :*

A teacher should encourage students to develop entity view of ability.

Reason (R) :

Entity view of ability motivates students to learn more effectively.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

अध्यापक को चाहिए कि वह विद्यार्थियों को योग्यता का सत्त्व संबंधी परिप्रेक्ष्य विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करें ।

तर्क (R) :

योग्यता का अस्तित्व संबंधी परिप्रेक्ष्य विद्यार्थियों को अधिक प्रभावशाली तरीके से सीखने के लिए अभिप्रेरित करता है ।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 24][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q24]

1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) Which of the following is likely to hinder problem solving ?

(1) Functional fixedness

(2) Cognitive flexibility

(3) Divergent thinking

(4) Reflective writing

निम्नलिखित में से किसके द्वारा समस्या समाधान में अवरोध पैदा होने की संभावना है ?

(1) कार्यात्मक स्थिरता

(2) संज्ञानात्मक सुनम्यता (लचीलापन)

(3) अपसारी चिंतन

(4) विमर्शात्मक लेखन

[Question ID = 25][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q25]

1. 1 [Option ID = 97]

2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) *Assertion (A) :*
Teachers should identify the misconceptions carried by students and discuss those instead of ignoring them.
Reason (R) :
These misconceptions are a form of alternative conceptions which students often form based on their interaction with environment and these are meaningful in process of learning.
Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
(3) (A) is true but (R) is false
(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :
अध्यापकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों की भ्रांतियों की पहचान करें और उनको अनदेखी करने के बजाय उन पर चर्चा करें ।
तर्क (R) :
ये भ्रांतियाँ वैकल्पिक अवधारणाओं के रूप हैं, जो अकसर विद्यार्थी अपने परिवेश के साथ अन्त:क्रिया करके आधार बना लेते हैं और ये अधिगम की प्रक्रिया में अर्थपूर्ण हैं ।
सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 26][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q26]
1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) Emotions __________.

(1) significantly influence learning but don't have any influence on memory
(2) have no influence on learning but significantly influence memory
(3) significantly influence learning as well as memory
(4) have no influence either on learning or on memory

भावनाएँ

(1) अधिगम को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं परन्तु स्मृति पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

(2) अधिगम पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं डालती लेकिन स्मृति को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं ।

(3) अधिगम को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं साथ ही साथ समृति को भी ।

(4) न तो अधिगम को प्रभावित करती हैं और न ही स्मृति को प्रभावित करती हैं ।

[Question ID = 27][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q27]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28) Students feel motivated to learn if the task is

(1) Irrelevant

(2) Unchallenging

(3) Related to their life

(4) Very abstract

विद्यार्थी सीखने के प्रति अभिप्रेरित होते हैं यदि कार्य

(1) अप्रासंगिक हो ।

(2) बिना किसी चुनौती वाला हो ।

(3) उनके जीवन से संबंधित हो ।

(4) बहुत ही अमूर्त हो ।

[Question ID = 28][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q28]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) To facilitate students' learning, a teacher should

(1) ignore previous knowledge of students

(2) not clarify syntax and structure

(3) minimise generalisation and transfer of learning

(4) avoid use of subject-jargons

विद्यार्थियों के अधिगम को सहज-सुगम बनाने के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान की अनदेखी करनी चाहिए

(2) वाक्य-विन्यास और संरचना स्पष्ट नहीं करनी चाहिए

(3) अधिगम के अति सामान्यीकरण और निस्तारण को कम करना चाहिए

(4) विषय से संबंधित शब्द-जाल के प्रयोग से बचना चाहिए

[Question ID = 29][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q29]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30) Which of the following hinders learning ?

(1) Relating previous knowledge with topic to be taught

(2) Sense of alienation with school culture

(3) Implementation of multisensory approach

(4) Pedagogy based on constructivism

निम्नलिखित में से किसके द्वारा अधिगम में बाधा उत्पन्न होती है ?

(1) पहले पढ़ाए गए विषय से ज्ञान को सम्बद्ध करना

(2) विद्यालयी संस्कृति से विमुखता का भाव

(3) बहुसंवेदी उपागम का क्रियान्वयन

(4) रचनावाद पर आधारित शिक्षणशास्त्रीय प्रविधियाँ

[Question ID = 30][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_102_Q30]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) Ten crore twenty thousand two hundred three is written in figures as

(1) 100002203

(2) 1020203

(3) 1002203

(4) 100020203

दस करोड़ बीस हज़ार दो सौ तीन को अंकों में लिखा जाता है

(1) 100002203

(2) 1020203

(3) 1002203

(4) 100020203

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q31]
1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) Which of the following fractions is less than $\frac{4}{5}$ and greater than $\frac{1}{2}$?

(1) $\frac{8}{9}$

(2) $\frac{7}{9}$

(3) $\frac{1}{3}$

(4) $\frac{2}{5}$

निम्न में से कौन-सी भिन्न $\frac{4}{5}$ से छोटी है और $\frac{1}{2}$ से बड़ी है ?

(1) $\frac{8}{9}$

(2) $\frac{7}{9}$

(3) $\frac{1}{3}$

(4) $\frac{2}{5}$

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q32]
1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) What will be the value of K in the six digit number 56234K, if the number is divisible by 6 ?

(1) 0

(2) 1

(3) 4

(4) 6

छः अंकों की संख्या 56234K, में K का क्या मान होगा, यदि यह संख्या 6 से विभाज्य हो ?

(1) 0

(2) 1

(3) 4

(4) 6

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q33]
1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4) In a class of 28 students, 15 are girls. If 21 students clean their teeth daily and $\frac{3}{5}$ of the girls clean their teeth daily, then state which fraction of boys are doing the same work daily.

(1) $\frac{2}{5}$

(2) $\frac{4}{7}$

(3) $\frac{4}{9}$

(4) $\frac{12}{13}$

28 विद्यार्थियों की एक कक्षा में 15 लड़कियाँ हैं। यदि 21 विद्यार्थी प्रतिदिन अपने दाँत साफ करते हैं तथा लड़कियों का $\frac{3}{5}$ भाग प्रतिदिन अपने दाँत साफ करती हैं, तो बताइए कि लड़कों का कितना भाग प्रतिदिन यही काम करता है।

(1) $\frac{2}{5}$

(2) $\frac{4}{7}$

(3) $\frac{4}{9}$

(4) $\frac{12}{13}$

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q34]

1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) Which of the following statements are true ?

(i) Every number is always more than its additive inverse.

(ii) Sum of any two integers is always more than each of the integers.

(iii) Successor of –2 is –1.

(iv) Product of a number and its additive inverse is always negative.

Options :

(1) (i) and (iii)

(2) (ii) and (iv)

(3) (i) and (ii)

(4) (iii) and (iv)

निम्न में से कौन-से कथन सत्य हैं ?

(i) प्रत्येक संख्या अपने योज्य प्रतिलोम से सदैव बड़ी होती है।

(ii) किन्हीं भी दो पूर्णांकों का योग उन पूर्णांकों में से प्रत्येक से बड़ा होता है।

(iii) –2 का परवर्ती –1 है।

(iv) एक संख्या और उसके योज्य प्रतिलोम का गुणनफल सदैव ऋणात्मक होता है
।

विकल्प :

(1) (i) और (iii)

(2) (ii) और (iv)

(3) (i) और (ii)

(4) (iii) और (iv)

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q35]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6) A shopkeeper bought 138 boxes of apples each containing 24 apples. He could sell only $117\frac{3}{4}$ boxes of apples on the first day. How many apples are left with him ?

(1) 486

(2) 498

(3) 510

(4) 522

एक दुकानदार ने सेबों के 138 डिब्बे, जिनमें से प्रत्येक में 24 सेब हैं, खरीदे। पहले दिन वह सेबों के केवल $117\frac{3}{4}$ डिब्बे ही बेच पाया। उसके पास कितने सेब शेष बचे हैं ?

(1) 486

(2) 498

(3) 510

(4) 522

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q36]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7) Two angles having their sum 180° are always known as

(1) Adjacent angles

(2) Complementary angles

(3) Supplementary angles

(4) Linear pair

दो कोण जिनका योग 180° है, सदैव कहलाते हैं

(1) आसन्न कोण

(2) पूरक कोण

(3) सम्पूरक कोण

(4) रैखिक युग्म

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q37]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8) Which of the following statements is ***not*** true ?

(1) Sum of an acute angle and a right angle is always an obtuse angle.

(2) Sum of two acute angles is always less than a right angle.

(3) Sum of two right angles is equal to a straight angle.

(4) Sum of two obtuse angles is always a reflex angle.

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य ***नहीं*** है ?

(1) एक न्यूनकोण और एक समकोण का योग सदैव एक अधिक कोण होता है।

(2) दो न्यूनकोणों का योग सदैव एक समकोण से कम होता है।

(3) दो समकोणों का योग एक ऋजु कोण के बराबर होता है।

(4) दो अधिक कोणों का योग सदैव एक प्रतिवर्ती कोण होता है।

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q38]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9) Which one of the following groups of letters have only one line of symmetry ?

(1) B, I, H

(2) C, G, U

(3) D, E, M

(4) N, A, B

निम्न अक्षर-समूहों में से किस एक में केवल एक सममित रेखा है ?

(1) B, I, H

(2) C, G, U

(3) D, E, M

(4) N, A, B

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q39]

1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) Yogesh runs with a speed of 30 km/h and completes a race in 5 minutes. What is the length of the race (in m) ?

(1) 2050

(2) 2500

(3) 2550

(4) 2600

योगेश 30 km/h की चाल से दौड़ता है और किसी दौड़ को 5 मिनट में पूरा करता है। उस दौड़ की कितनी लंबाई (m में) है ?

(1) 2050

(2) 2500

(3) 2550

(4) 2600

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q40]

1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11) Shalu reached her sister's house on 18th January, 2020 in the morning and left her house on 2nd April, 2020 at night. For how many days did she stay there ?

(1) 74

(2) 75

(3) 76

(4) 77

शालू प्रात: 18 जनवरी, 2020 को अपनी बहन के घर पहुँची और 2 अप्रैल, 2020 की रात को वापस चल पड़ी । वह वहाँ कितने दिन ठहरी ?

(1) 74

(2) 75

(3) 76

(4) 77

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q41]

1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) The side of a square is 48 cm. The length and breadth of a rectangle are $1\frac{1}{2}$ and $\frac{2}{3}$ respectively of the side of the square. The difference in their perimeters (in cm) is

(1) 10

(2) 12

(3) 14

(4) 16

एक वर्ग की भुजा 48 cm है । एक आयत की लम्बाई और चौड़ाई उस वर्ग की भुजा की क्रमश: $1\frac{1}{2}$ तथा $\frac{2}{3}$ गुनी हैं । इनके परिमापों में अन्तर (cm में) है

(1) 10

(2) 12

(3) 14

(4) 16

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q42]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) What will be the next number in the pattern $\frac{1}{4}, \frac{3}{16}, \frac{5}{64}, \frac{7}{256}$, _______ ?

(1) $\frac{8}{125}$

(2) $\frac{9}{284}$

(3) $\frac{9}{1024}$

(4) $\frac{11}{4096}$

पैटर्न $\frac{1}{4}, \frac{3}{16}, \frac{5}{64}, \frac{7}{256},$ ________ में अगली संख्या क्या आएगी ?

(1) $\frac{8}{125}$

(2) $\frac{9}{284}$

(3) $\frac{9}{1024}$

(4) $\frac{11}{4096}$

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q43]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) 540 persons were asked to vote for their favourite season from the three seasons – Winter, Summer, Rainy. Data so obtained was represented in a pie chart. If the central angle for winter season is 150°, then how many persons had voted for winter season ? (Assume that each person has voted for one season only)

(1) 100

(2) 150

(3) 225

(4) 300

540 व्यक्तियों से शीत, ग्रीष्म और वर्षा ऋतुओं में से उनकी पसन्द की ऋतु पूछी गई। प्राप्त आंकड़ों को पाई चार्ट पर दर्शाया गया। यदि शीत ऋतु का केन्द्रीय कोण 150° आया, तो कितने व्यक्तियों ने शीत ऋतु को पसन्द किया ? (कल्पना कीजिए कि प्रत्येक व्यक्ति ने केवल एक ऋतु को ही पसंद किया है)

(1) 100

(2) 150

(3) 225

(4) 300

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q44]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]
3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) Rahul saved some money every month from his pocket money as given below :

End of the month	*Total Savings (in ₹) up to that month*
January	80
February	140
March	210
April	285
May	375
June	480

Which of the following statements is correct ?

(1) Savings in May is maximum.

(2) Sum of savings in January and February is equal to the sum of savings in March and May.

(3) Least savings is in the month of February.

(4) Total savings up to end of June is ₹ 375.

राहुल ने अपने जेब खर्च में से प्रति माह कुछ बचत की, जैसा नीचे दिया है :

माह का अन्त	*उस माह तक कुल बचत (₹ में)*
जनवरी	80
फरवरी	140
मार्च	210
अप्रैल	285
मई	375
जून	480

निम्न में से कौन-सा कथन सही है ?

(1) मई में अधिकतम बचत हुई।

(2) जनवरी और फरवरी में हुई बचत का योग मार्च तथा मई में हुई बचत के योग के बराबर है।

(3) सबसे कम बचत फरवरी माह में हुई।

(4) जून माह के अन्त तक की कुल बचत ₹ 375 है।

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q45]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

1) According to National Curriculum Framework, 2005 discussions in a primary grade mathematics classroom should be

(1) didactic in nature.

(2) based on mathematical concepts learnt inside the classroom only.

(3) contextual and based on life-experiences of children.

(4) focused on solving problems given in mathematics textbook.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार, प्राथमिक स्तर की गणित की कक्षा में परिचर्चा _________ होनी चाहिए।

(1) प्रकृति में उपदेशात्मक

(2) केवल कक्षा में सीखी हुई गणितीय अवधारणाओं पर आधारित

(3) संदर्भात्मक एवं बच्चों के जीवन के अनुभवों पर आधारित

(4) गणित की पाठ्यपुस्तक में दी गई समस्याओं के समाधान पर केन्द्रित

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q46]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

2) Which of the following is the most appropriate characteristic of mathematical language at primary level ?

(1) It must be highly focused, specific and technical.

(2) It must be ambiguous and open-ended so as to make learning joyful.

(3) It should be reinforced through the language used by the child in everyday life.

(4) It should not include mathematical vocabulary at all.

निम्नलिखित में से कौन-सी प्राथमिक स्तर पर गणितीय भाषा की सर्वाधिक उपयुक्त विशिष्टताएँ हैं ?

(1) यह अत्यधिक एकाग्रचित, सुस्पष्ट और प्राविधिक होनी चाहिए।

(2) अधिगम को आनन्दमयी बनाने के लिए इसे अस्पष्ट और आम दिनचर्या वाली भाषा की तरह होना चाहिए।

(3) दैनिक जीवन में बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा के माध्यम से इसे प्रबलित करना चाहिए।

(4) इसमें गणितीय शब्दसंग्रह को बिल्कुल भी सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q47]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

3) Which of the following is/are the most appropriate purpose of classroom assessment in mathematics at primary level ?

(A) To inform and guide teaching-learning process.

(B) To provide opportunities to the learner to reflect on their learning.

(C) To create competition among learners to improve their performance.

Choose the correct option :

(1) (A) and (B)

(2) (A) and (C)

(3) (B) and (C)

(4) Only (A)

निम्नलिखित में से प्राथमिक स्तर पर गणित के कक्षायी आकलन के सर्वाधिक उपयुक्त उद्देश्य क्या है/हैं ?

(A) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को निर्देशित करना एवं मार्गदर्शन देना ।

(B) शिक्षार्थियों को उनके अधिगम पर विचार करने के अवसर प्रदान करना ।

(C) शिक्षार्थियों में उनके निष्पादन में सुधार के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना ।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) (A) और (B)

(2) (A) और (C)

(3) (B) और (C)

(4) केवल (A)

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q48]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

4) Which of the following is ***not*** a pre-number concept ?

(1) Matching

(2) Hierarchichal inclusion

(3) Seriating

(4) Approximation

निम्नलिखित में से कौन-सी संख्या-पूर्व अवधारणा ***नहीं*** है ?

(1) मिलान

(2) पदानुक्रमित समावेशन

(3) क्रमबद्ध लगाना

(4) सन्निकटन

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q49]
1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) The children in a mathematics class are arranging the given numbers in the following order :
28, 48, 57, 92
Which of the following concepts is being used by the children in arranging the numbers ?

(1) Proportion

(2) Place value

(3) Regrouping

(4) Approximation

गणित की कक्षा में बच्चे दी गई संख्याओं को निम्नलिखित क्रम में व्यवस्थित कर रहे हैं :
28, 48, 57, 92
बच्चों द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सी अवधारणा का उपयोग संख्याओं को व्यवस्थित करने में किया गया है ?

(1) समानुपात

(2) स्थानीय मान

(3) पुन: समूहीकरण

(4) सन्निकटन

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q50]
1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) Which among the following is the most appropriate strategy for introducing the concept of place value to grade I learners ?

(1) Write the place value of numbers on the blackboard and explain.

(2) Write expanded form of numbers.

(3) Use manipulatives to explain 10 as a bundle of ones.

(4) Draw place value columns on a chart paper.

स्तर I के शिक्षार्थियों को स्थानीय मान की अवधारणा प्रस्तावित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी सबसे उपयुक्त योजना है ?

(1) श्यामपट्ट पर संख्याओं का स्थानीय मान लिखिए और समझाइए।

(2) संख्याओं के विस्तारित रूप को लिखिए।

(3) हस्त कौशल सामग्री का उपयोग करते हुए 10 को एकक के गट्ठे के रूप में समझाइये।

(4) स्थानीय मान के स्तंभों को चार्ट पेपर पर चित्रित कीजिए।

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q51]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) "Communication is an important process skill required in mathematics." What do you mean by mathematical communication ?

(1) Ability of the child to read the word problems quickly and correctly

(2) Ability of the child to participate in mathematics quiz

(3) Ability of the child to consolidate, organise and express mathematical thinking

(4) Ability of the child to write mathematical essays

"गणित में संप्रेषण एक महत्त्वपूर्ण वांछित प्रक्रिया कौशल है।" गणितीय संप्रेषण से आप क्या समझते हैं ?

(1) ईबारती सवालों को शीघ्र तथा सही तरीके से पढ़ने की बच्चे की क्षमता

(2) गणितीय प्रश्नोत्तरी में भाग लेने की बच्चे की क्षमता

(3) गणितीय चिंतन को समेकित, संघटित एवं अभिव्यक्त करने की बच्चे की क्षमता

(4) गणितीय निबंध लिखने की बच्चे की क्षमता

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q52]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) When asked to find out 354 + 99, a primary grade student, solves it in the following way :
354 + 99 = 354 + 99 + 1 –1 = 354 + 100 – 1 = 454 – 1 = 453
The strategy used by the student to find the sum is known as

(1) Substitution

(2) Addition-Subtraction

(3) Compensation

(4) Partition

जब 354 + 99 का जोड़ ज्ञात करने के लिए कहा गया, तब प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी ने निम्न प्रकार से उसे हल किया :
354 + 99 = 354 + 99 + 1 –1 = 354 + 100 – 1 = 454 – 1 = 453
जोड़ ज्ञात करने के लिए विद्यार्थी द्वारा प्रयुक्त विधि/कार्यनीति कहलाती है

(1) विस्थापन

(2) योजन-व्यवकलन

(3) प्रतिकरण

(4) वितरण/विभाजन

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q53]

1. 1 [Option ID = 209]

2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) Which of the following is ***not*** true about mathematics ?

(1) It is based on empirical evidences to prove different mathematical truths.

(2) It is based on deductive reasoning.

(3) It is a creative discipline and has aesthetic value.

(4) It is validated by reasoning.

निम्नलिखित में से कौन-सा गणित के संबंध में सही ***नहीं*** है ?

(1) विभिन्न गणितीय तथ्यों को प्रमाणित करने के लिए यह अनुभवजन्य/अनुभवसिद्ध साक्ष्यों पर आधारित है ।

(2) यह निगमनात्मक विवेचन पर आधारित है ।

(3) यह एक सृजनात्मक विषय-क्षेत्र है और इसका सौंदर्यपरक मूल्य है ।

(4) इसे तर्क द्वारा वैधीकृत/अभिपुष्ट किया जाता है ।

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q54]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

10) 'NIPUN' Bharat scheme that ensures every child in India gains foundational numeracy and literacy was launched by the Education Ministry of India under National Education Policy (NEP) 2020. 'NIPUN' stands for

(1) National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy

(2) National Initiative for Proficiency in Writing with Understanding and Numeracy

(3) National Initiative for Perfection in Understanding and Numeracy

(4) National Initiative for Improved Pedagogy in Understanding and Numeracy

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अंतर्गत, भारतीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'निपुण' भारत योजना की शुरुआत की गई थी जो प्रत्येक छात्र में आधारभूत संख्यात्मकता एवं साक्षरता को सुनिश्चित करती है । 'निपुण' भारत का पूरा नाम है

(1) नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

(2) नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन राइटिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

(3) नेशनल इनीशिएटिव फॉर परफेक्शन इन अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

(4) नेशनल इनीशिएटिव फॉर इम्प्रूव्ड पैडागोजी इन अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q55]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) Class I and Class II NCERT books have chapters based on listing out daily activities in a child's routine; the days of a week, days of months, change of weather etc. Such chapters :

(1) Convey no meaning in a mathematics classroom.

(2) Make mathematics textbook colourful and fun to read.

(3) Help students learn the standard units of measurement.

(4) Help students to learn the concept of time contextually.

NCERT की कक्षा I और कक्षा II की पाठ्यपुस्तकों में ऐसे पाठ हैं जो कि बच्चे की दैनिक गतिविधियों को सूचीबद्ध करने पर; सप्ताह के दिनों पर, महीनों के दिनों पर, मौसम के परिवर्तन, आदि पर आधारित हैं। ऐसे पाठ :

(1) गणित की कक्षा में किसी अर्थ को संप्रेषित नहीं करते हैं।

(2) गणित की पाठ्यपुस्तक को रंग-बिरंगा एवं आनंददायक बनाते हैं।

(3) विद्यार्थियों को मापन की मानक इकाइयों को सीखने में सहयोग करते हैं।

(4) विद्यार्थियों को समय की अवधारणा को संदर्भात्मक रूप से सीखने में सहयोग करते हैं।

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) Which among the following is/are part of the key processes required for developing creative thinking in mathematics ?

A. Recognising patterns and relationships

B. Formulating hypotheses

C. Using a given formula to solve problems

(1) A and B

(2) A and C

(3) B and C

(4) Only B

निम्नलिखित में से कौन-सा/से गणित में सृजनात्मक चिंतन के विकास के लिए मुख्य प्रक्रमों का एक भाग है/हैं ?

A. पैटर्न तथा संबंधों को पहचानना

B. परिकल्पनाएँ बनाना

C. दिए गए सूत्र का उपयोग कर समस्याओं का समाधान करना

(1) A और B

(2) A और C

(3) B और C

(4) केवल B

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q57]
1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) According to National Curriculum Framework 2005, the most appropriate way to develop a positive attitude towards mathematics and a liking for it in primary grade children is to

(1) provide opportunities to enhance cognitive skills for learning mathematics

(2) use mathematical games, puzzles and stories to make connections between mathematics and childen's life experiences

(3) use an aptitude scale to find out children's score on it and provide remedial measures

(4) frequently organise sessions by experts on importance of mathematics in everyday life

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, प्राथमिक स्तर के बच्चों में गणित के प्रति रुचि एवं एक सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करने का सबसे उपयुक्त मार्ग है

(1) गणित के अधिगम हेतु संज्ञानात्मक कौशलों में वृद्धि के लिए अवसर प्रदान करना

(2) गणित एवं बच्चों के जीवन के अनुभवों में, गणितीय खेलों, पहेलियों और कहानियों का उपयोग कर, संबंध बनाना

(3) अभिक्षमता स्केल का उपयोग कर बच्चों का परिणाम जानना एवं उपचारी विधियाँ प्रदान करना

(4) दैनिक जीवन में गणित के महत्त्व पर विशेषज्ञों द्वारा सत्रों का निरंतर आयोजन करना

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q58]
1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) When asked to solve 12×25, a child uses the following method :
$12 \times 25 = 3 \times 4 \times 25 = 3 \times 100 = 300$
As a constructivist mathematics teacher what will be your reaction to the strategy used by the child ?

(1) Accept the answer but tell the child that it is not the right way to do multiplication.

(2) Instruct the child to seek help from other students to solve the problem using correct algorithm.

(3) Appreciate the child and encourage other students to come up with different ways to solve the problem.

(4) Appreciate the child's answer but advice him/her not to use this method in examination to solve the problem.

जब किसी बच्चे को 12 × 25 का हल निकालने के लिए कहा गया, तब उसने निम्नलिखित विधि अपनाई :

12 × 25 = 3 × 4 × 25 = 3 × 100 = 300

गणित के एक रचनावादी शिक्षक के रूप में, बच्चे द्वारा प्रयुक्त विधि पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी ?

(1) उत्तर स्वीकारें किन्तु बच्चे को बताएँ कि गुणन करने की यह सही विधि नहीं है।

(2) सही कलन विधि का उपयोग कर प्रश्न हल करने के लिए बच्चे को अन्य विद्यार्थियों की सहायता लेने का निर्देश दें।

(3) बच्चे की सराहना करें और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रश्न हल करने के लिए विभिन्न तरीकों को ढूँढने के लिए कहें।

(4) बच्चे के उत्तर की सराहना करें किन्तु उसे सलाह दें कि परीक्षा में प्रश्न हल करने के लिए इस विधि का उपयोग न करे।

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q59]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following statements is least likely to be one of the characteristics of levels in Van Hiele's theory of geometric thinking ?

(1) They are age dependent

(2) They are sequential

(3) They are experience dependent

(4) They are developmental

निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन वैन हैले की ज्यामितीय चिंतन के सिद्धांत (थ्योरी) में स्तरों की न्यून रूप से संभावनीय विशिष्टता है ?

(1) ये आयु पर निर्भर हैं

(2) ये आनुक्रमिक हैं

(3) ये अनुभव पर निर्भर हैं

(4) ये विकासात्मक हैं

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_102_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) With respect to the location of the capital of India the directions of Lucknow (Capital of Uttar Pradesh) and Jaipur (Capital of Rajasthan) respectively are

(1) North-East, North-West

(2) South-East, South-West

(3) South-West, South-East

(4) North-West, North-East

भारत की राजधानी की स्थिति के सापेक्ष लखनऊ (उत्तर प्रदेश की राजधानी) और जयपुर (राजस्थान की राजधानी) की दिशाएँ क्रमश: हैं

(1) उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम

(2) दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम

(3) दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व

(4) उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q61]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2) A teacher is recruited in a school in Maharashtra. She is teaching about food and she gives an example of 'bharli vangi', which is a dish made of

(1) stuffed baby eggplant preparation

(2) plain lentil stew

(3) creamy dish of fresh pomfret fishes

(4) curry made of potatoes, cauliflower and tomatoes

एक अध्यापिका की नियुक्ति महाराष्ट्र के एक विद्यालय में हुई है। वह भोजन के विषय में पढ़ा रही है तथा वह 'भरली वांगी' का उदाहरण देती है जो कि एक व्यंजन है जो बना है

(1) छोटे-छोटे भरवाँ बैंगन से

(2) सादा दाल का दमपुख्त (स्टू)

(3) ताजी पोमफ्रेट मछलियों का मलाईदार व्यंजन

(4) आलू, फूलगोभी तथा टमाटर की करी

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q62]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3) The feathers of the birds are of different colours, shapes and sizes. Their feathers help them to fly and

A. eat different types of food
B. keep them warm
C. walk in different ways
D. keep them waterproof

(1) B and C
(2) B and D
(3) B, C and D
(4) A, B, C and D

पक्षियों के पंख विभिन्न रंगों, आकारों एवं माप के होते हैं । इनके पंख उन्हें उड़ने में सहायता करते हैं तथा

A. विभिन्न प्रकार का भोजन खाने में
B. उन्हें गर्म रखते हैं
C. विभिन्न तरीकों से चलने में
D. उन्हें जलसह बनाते हैं

(1) B और C
(2) B और D
(3) B, C और D
(4) A, B, C और D

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q63]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4) Animals that lay eggs have following characteristics :

(1) external ears and hair on their bodies
(2) internal ears and no hair on their bodies
(3) external ears and no hair on their bodies
(4) internal ears and have hair on their bodies

जो पशु अण्डे देते हैं, उनकी निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं :

(1) उनके बाहरी कान एवं शरीर पर बाल होते हैं ।
(2) उनके आंतरिक कान होते हैं एवं शरीर पर बाल नहीं होते हैं ।
(3) उनके बाहरी कान होते हैं एवं शरीर पर बाल नहीं होते हैं ।
(4) उनके आंतरिक कान एवं शरीर पर बाल होते हैं ।

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q64]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) The name of the first Indian women who reached the peak of the Mount Everest and pitched the national flag and took photographs of the event is

(1) Karnam Malleswari

(2) Sunita Williams

(3) Suryamani

(4) Bacchhendri Pal

उस पहली भारतीय महिला का नाम, जिन्होंने एवरेस्ट पर्वत की चोटी पर कदम रखा और राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) गाड़ा तथा कई फोटो भी खींचीं, है

(1) कर्णम मल्लेश्वरी

(2) सुनीता विलियम्स

(3) सूर्यमणि

(4) बछेन्द्री पाल

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q65]

1. 1 [Option ID = 257]
2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6) Which of the following statement(s) is/are true regarding Manipur ?

A. Manipur means 'Land of Jewels'.

B. Lavani is the folk dance of Manipur.

C. Loktak lake is known for circular floating swamps called phumdis.

D. Manipur is the largest producer of bamboo products.

(1) A only

(2) A, C and D

(3) A, B and C

(4) A and C

निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन मणिपुर के सम्बन्ध में सही है/हैं ?

A. मणिपुर का अर्थ है 'ज़ेवरों का देश' ।

B. लावनी मणिपुर का लोक नृत्य है ।

C. लोकटक ताल जाना जाता है फुमदी नामक गोलाकार तैरते हुए दलदलों के लिए ।

D. मणिपुर बाँस के उत्पादों का सबसे बड़ा उत्पादक है।

(1) केवल A

(2) A, C और D

(3) A, B और C

(4) A और C

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q66]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

7) Work is something we do to

A. earn fame

B. have fun

C. support oneself and others

D. save energy

(1) A and B

(2) B and C

(3) C only

(4) C and D

कार्य ऐसी चीज़ है जो हम करते हैं

A. यश कमाने के लिए

B. मनोरंजन के लिए

C. अपने को व अन्य लोगों को सहारा/भरण-पोषण के लिए

D. ऊर्जा बचाने के लिए

(1) A और B

(2) B और C

(3) केवल C

(4) C और D

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q67]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

8) Which of the following is true about an elephant herd ?

A. Their herd always has two or more old male elephants in it.

B. Their herd has all male elephants and baby elephants living with female elephants.

C. Male elephants live in the herd till they are 14-15 years old.

D. Their herd has only female and baby elephants.

Choose the correct option :

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

हाथियों के झुंड के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है ?

A. उनके झुंड में हमेशा दो या उससे अधिक नर हाथी होते हैं।

B. उनके झुंड में सारे नर हाथी होते हैं तथा हाथी के बच्चे मादा हाथियों के साथ रहते हैं।

C. नर हाथी झुंड के साथ 14-15 वर्ष की आयु तक रहते हैं।

D. उनके झुंड में केवल मादाएँ तथा हाथियों के बच्चे रहते हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) A तथा B

(2) B तथा C

(3) C तथा D

(4) A तथा D

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q68]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

9) In the textbook for class V a map of Golconda Fort is given. On the right bottom of the map following scale is printed.

Scale 1 cm = 110 metre

If on the map the distance between the Fateh Darwaza and Patancheru Darwaza is 15·2 cm, the actual distance between these two places is

(1) 1·520 km

(2) 1·652 km

(3) 1·672 km

(4) 16·72 km

कक्षा V की पाठ्यपुस्तक में गोलकोंडा किले का मानचित्र दिया गया है। इस पर दाहिने नीचे की ओर पैमाना छपा है।
पैमाना 1 सेमी = 110 मीटर
यदि इस मानचित्र पर फतेह दरवाजा और पटनचेरु दरवाजा के बीच की दूरी 15·2 सेमी है, तो इन दोनों स्थानों के बीच की वास्तविक दूरी है

(1) 1·520 किलोमीटर

(2) 1·652 किलोमीटर

(3) 1·672 किलोमीटर

(4) 16·72 किलोमीटर

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q69]
1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10) Sona's friend Tara is from Mizoram. Tara has difficulty in speaking Hindi because in Mizoram the main languages spoken are

(1) Khasi, Assamese

(2) Mizo, Lusei, Kuki

(3) Meiteilon, English

(4) Mao, Bengali

सोना की सहेली तारा मिज़ोरम से है। तारा को हिन्दी बोलने में परेशानी होती है क्योंकि मिज़ोरम में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाएँ हैं

(1) खासी, असमी

(2) मिज़ो, लूसेई, कुकी

(3) मेतेलॉन, अंग्रेजी

(4) माओ, बंगाली

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q70]
1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

11) Petroleum and Coal are known as non-renewable fuels because they

(1) cause pollution

(2) are expensive

(3) are obtained through fractional distillation

(4) take many years to form

पेट्रोलियम तथा कोयले को अनवीकरणीय ईंधन कहा जाता है क्योंकि ये

(1) प्रदूषण फैलाते हैं

(2) महँगे होते हैं

(3) प्रभाजी आसवन के द्वारा प्राप्त किए जाते हैं

(4) बनने में कई साल लगते हैं

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q71]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Mountaineers carry oxygen cylinders with them because they need it for

(1) Cooking food as availability of fuel is less in mountains.

(2) Keeping them warm by burning oxygen in it.

(3) breathing as less oxygen is available at high altitudes.

(4) Putting up support for tents.

पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन सिलिंडर ले जाते हैं क्योंकि उन्हें इसकी जरूरत होती है

(1) खाना पकाने के लिए क्योंकि पर्वतों में ईंधन की उपलब्धता कम होती है।

(2) अपने को गर्म रखने के लिए उसमें उपस्थित ऑक्सीजन को जला कर।

(3) साँस लेने के लिए क्योंकि अधिक ऊँचाइयों पर ऑक्सीजन की मात्रा कम मिलती है।

(4) टेंट लगाने के लिए सहारे के रूप में।

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q72]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13) Three Indian states having coast on the Arabian Sea are

(1) Karnataka, Tamil Nadu, Andhra Pradesh

(2) Maharashtra, Karnataka, Puducherry

(3) Goa, Maharashtra, Kerala

(4) Telangana, Kerala, Karnataka

अरब सागर के तीन भारतीय तटवर्ती प्रदेश (राज्य) हैं

(1) कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश

(2) महाराष्ट्र, कर्नाटक, पुदुचेरी

(3) गोआ, महाराष्ट्र, केरल

(4) तेलंगाना, केरल, कर्नाटक

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]

2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) The traditional dance of Rajasthan where veiled women dancers balance seven to nine brass pots on their head is known as

(1) Kalbelia

(2) Kathak

(3) Terah Taali

(4) Bhavai

राजस्थान का पारम्परिक नृत्य जिसमें घूँघट वाली महिला नृत्यांगनाएँ सिर पर सात से नौ पीतल के घड़ों को संभालती हैं, कहलाता है

(1) कालबेलिया

(2) कथक

(3) तेरह ताली

(4) भवाई

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) Madhubani is a famous

A. Lake in Rajasthan

B. Shawl from Bihar

C. Woven saree from Andhra Pradesh

D. Form of folk art Paintings from Bihar

E. Place in Bihar

(1) A and B

(2) B and C

(3) B, D and E

(4) D and E

मधुबनी एक प्रसिद्ध

A. झील है राजस्थान में

B. बिहार की शॉल है

C. आंध्र प्रदेश की बुनी हुई साड़ी है

D. बिहार की एक प्रकार की लोक-कला चित्रकारी है

E. बिहार का एक स्थान है

(1) A और B

(2) B और C

(3) B, D और E

(4) D और E

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q75]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) Shobhit observes a pitcure in a book where girls are shown playing with pebbles and boys are shown playing cricket. He asks his teacher that why are boys and girls playing separately ? Why are boys not playing pebbles ? Why are girls not playing cricket ?
Which of the following EVS teaching objectives are included in this event ?

A. Development of higher level critical thinking.

B. Development of broad cultural attitude and aesthetic sensitivity.

C. Development of an understanding based on observation and picturization.

D. Development of cognitive ability for generating curosity about a social event.

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, B and D

(4) A, C and D

शोभित किताब में एक चित्र देखता है, जिसमें लड़कियों को गोटियाँ खेलते तथा लड़कों को क्रिकेट खेलते हुए दिखाया गया है। वह अपने अध्यापक से पूछता है कि लड़के और लड़कियाँ अलग-अलग क्यों खेल रहे हैं ? लड़के गोटियाँ क्यों नहीं खेल रहे हैं ? लड़कियाँ क्रिकेट क्यों नहीं खेल रही हैं ?

निम्नलिखित में से कौन-से पर्यावरण अध्ययन शिक्षण उद्देश्य इस घटना में सम्मिलित हैं ?

A. उच्च स्तरीय आलोचनात्मक सोच विकसित करना।

B. व्यापक सांस्कृतिक नज़रिया एवं सौन्दर्य के प्रति संवेदना विकसित करना।

C. अवलोकन और चित्रण के आधार पर समझ विकसित करना।

D. सामाजिक घटना के बारे में जिज्ञासु बनाने के लिए संज्ञानात्मक क्षमता विकसित करना।

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, B और D

(4) A, C और D

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q76]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) As an EVS teacher, you want to introduce the theme of 'Seasons' to your learners of class II. Which one of the following would be the best pedagogic strategy ?

(1) Use charts and books to explain the concept of seasons

(2) Use videos of seasons to later explain seasons on blackboard

(3) Use newspapers to read about articles on seasons

(4) Use food habits, clothes worn and relevant local literature to develop interest in seasons

पर्यावरण अध्ययन के एक शिक्षक के रूप में, आप कक्षा II के अपने विद्यार्थियों के समक्ष विषय 'ऋतुएँ' प्रस्तावित करना चाहते हैं। निम्नलिखित में से कौन एक उत्तम शिक्षणशास्त्रीय युक्ति होगी ?

(1) संप्रत्यय ऋतुएँ समझाने के लिए चार्ट एवं पुस्तकों का उपयोग

(2) श्यामपट्ट पर लिखे विषय ऋतुएँ को बाद में समझाने के लिए ऋतुओं के वीडियो का उपयोग

(3) ऋतुओं पर लिखे लेख पढ़ने के लिए समाचार-पत्रों का उपयोग

(4) ऋतुओं के विषय में रुचि का विकास करने के लिए भोजन की आदतों, पहनने के वस्त्रों और संदर्भित स्थानीय साहित्य का उपयोग

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q77]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]

3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) Which of the following statements are the correct description of the nature of assessment ?

A. It is a part of teaching-learning process, that is continuous.

B. It acquaints about the achievement level of students and what they don't know.

C. It diagnoses the hindrances in learning and helps in their removal.

D. It acquaints about the tendency to learn, interests and prior experiences of students.

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, C and D

(4) A, B and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन आकलन की प्रकृति की सही व्याख्या करते हैं ?

A. शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया का एक अंग है, जो सतत चलता रहता है।

B. विद्यार्थियों के उपलब्धि स्तर तथा उन्हें क्या नहीं आता है, के बारे में अवगत कराता है।

C. सीखने में आई बाधाओं का पता लगाकर उन्हें दूर करने में सहायक है।

D. विद्यार्थियों की सीखने की प्रवृत्ति, रुचि एवं पूर्व अनुभवों के बारे में अवगत कराता है।

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, C और D

(4) A, B और D

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) As EVS teacher of class V, in the chapter 'Walls Tell Stories' you need to introduce learners to historical monuments, which method you think will suit best ?

(1) Virtual tours, online games and quiz related to historical monuments

(2) Passage reading on historical monuments

(3) Visits to local historical monuments followed by discussion

(4) Lecture discussion method to explain the past of historical monuments

कक्षा V के पर्यावरण अध्ययन शिक्षक के रूप में, पाठ 'बोलती इमारतें' के लिए आपको विद्यार्थियों को ऐतिहासिक इमारतों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, आप क्या सोचते हैं कि कौन-सी विधि सर्वथा उत्तम होगी ?

(1) ऐतिहासिक इमारतों से संबंधित आभासी सैर, ऑन-लाइन खेल और पहेली

(2) ऐतिहासिक इमारतों पर परिच्छेद पठन

(3) स्थानीय ऐतिहासिक इमारतों का भ्रमण और तत्पश्चात् उन पर चर्चा

(4) ऐतिहासिक इमारतों का भूतकाल समझाने के लिए व्याख्यान-चर्चा विधि

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q79]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) A teacher asked students to draw an ant. Some students made 4 legs of ant while some made 6 and some 8 legs. What should the teacher do ?

(1) Tell them that ants have 6 legs and not 4 or 8 legs

(2) Tell them that students who made 6 legs are correct and all other students are wrong

(3) Show them a picture of an ant and ask them to observe the number of legs

(4) Give them a magnifying lens and ask to them observe the number of legs in an ant

अध्यापक विद्यार्थियों से एक चींटी का चित्र बनाने को कहते हैं। कुछ विद्यार्थी चींटी के चार पैर बनाते हैं, जबकि कुछ छह और कुछ आठ पैर बनाते हैं। अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) यह कहना चाहिए कि चींटी के छह पैर होते हैं, चार या आठ नहीं होते

(2) यह कहना चाहिए कि जिन विद्यार्थियों ने छह पैर बनाए हैं, वे सही हैं और बाकी सभी विद्यार्थी गलत हैं

(3) उन्हें चींटी का चित्र दिखाकर पैरों की संख्या देखने के लिए कहना चाहिए

(4) उन्हें आवर्धक लेंस देकर, चींटी के पैरों की संख्या को देखने के लिए कहना चाहिए

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q80]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) As an EVS teacher of class IV, you have to indroduce the concept of astronauts to learners. Which method will you follow ?

(1) Explain the definition of astronaut and ask students to memorise

(2) Deliver a lecture on astronauts

(3) Share biographies of astronauts of India and then highlight main features

(4) Share stories on astronauts to help students understand the concept

कक्षा IV के पर्यावरण अध्ययन के शिक्षक के रूप में, आपको विद्यार्थियों को अंतरिक्षयात्रियों का संप्रत्यय प्रस्तावित करना है । इसलिए आप कौन-से प्रक्रम का अनुसरण करेंगे ?

(1) विद्यार्थियों को अंतरिक्षयात्रियों की परिभाषा समझाइए और याद करने के लिए कहिए

(2) अंतरिक्षयात्रियों पर एक व्याख्यान दीजिए

(3) भारत के अंतरिक्षयात्रियों की आत्मकथाएँ साझा कीजिए और उनकी मुख्य विशेषताओं को इंगित कीजिए

(4) अंतरिक्षयात्रियों की कहानियाँ साझा कीजिए और विद्यार्थियों को विषय को समझने में सहायता कीजिए

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q81]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) Yash asked his teacher, "Why some food-product packets are labelled with red while some food-product packets are labelled with green dot ?". Teacher explained that green dot indicates vegetarian food while red dot indicates non-vegetarian food. She asked students to observe various food-product packets and enlist them as vegetarian and non-vegetarian. Which of the following processes are involved in this activity ?

A. Identification

B. Imagination

C. Bias

D. Classification

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

यश ने अपने अध्यापक से पूछा, "कुछ भोजन उत्पादों के पैकेट पर हरे गोले क्यों हैं, जबकि कुछ भोजन उत्पादों के पैकेट पर लाल गोले बने हैं ?" । अध्यापक समझाते हैं कि हरे गोले शाकाहारी खाने तथा लाल गोले मांसाहारी खाने को सूचित करते हैं । अध्यापक ने विद्यार्थियों को विभिन्न भोजन उत्पादों के पैकेट देखकर उन्हें शाकाहारी अथवा मांसाहारी में सूचीबद्ध करने को कहा । इस गतिविधि में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रियाएँ शामिल हैं ?

A. पहचान

B. कल्पना

C. पूर्वाग्रह

D. वर्गीकरण

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q82]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) As an EVS teacher, you decide to familiarise students with contemporary issues related to environment. Which one of the following would you prefer ?

(1) Ask students to watch news channels

(2) Ask students to subscribe to newspapers at home

(3) Relate relevant articles in class and also share them

(4) Talk to parents to ensure newspaper reading at home

एक पर्यावरण अध्ययन शिक्षक के रूप में, अपने विद्यार्थियों को पर्यावरण से संबंधित समकालीन मुद्दों से परिचित करवाना है । निम्नलिखित में से आप किसे प्राथमिकता देंगे ?

(1) विद्यार्थियों को समाचार चैनल देखने के लिए कहेंगे

(2) विद्यार्थियों को घर पर समाचार-पत्रों का ग्राहक बनने के लिए कहेंगे

(3) कक्षा में संबंधित लेखों का उल्लेख करेंगे एवं उनको साझा भी करेंगे

(4) घर पर समाचार-पत्र पठन को सुनिश्चित करने के लिए माता-पिता से बात करेंगे

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q83]

1. 1 [Option ID = 329]
2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) John is forming animal shadows with the help of his hands and asks students to guess which animal is being formed in the shadow. Which of the following processes are involved in this activity ?

A. Prediction

B. Observation

C. Inference

D. Description

(1) A, B and D

(2) A, B and C

(3) C and D

(4) A and D

जॉन अपने हाथों की सहायता से जंतुओं की परछाई बना रहा है और वह विद्यार्थियों से यह अंदाजा लगाने को कहता है कि परछाई में कौन-सा जानवर बन रहा है। इस गतिविधि में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रियाएँ शामिल हैं ?

A. अनुमान

B. अवलोकन

C. निष्कर्ष

D. वर्णन

(1) A, B और D

(2) A, B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q84]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) Integrated perspective in EVS denotes which of the following ?

(1) Draw insights from science and social studies

(2) Draw insights from social studies and environment education

(3) Draw insights from science and environment education

(4) Draw insights from science, social studies and environment education

पर्यावरण अध्ययन में एकीकृत/संगठित परिप्रेक्ष्य, निम्नलिखित में से किसे निर्दिष्ट करता है ?

(1) विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन से पूरी जानकारी

(2) सामाजिक अध्ययन एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी

(3) विज्ञान एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी

(4) विज्ञान, सामाजिक अध्ययन एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q85]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

11) Rini asked his teacher, "Why are the stems of plants round and not square shaped ?" What should the teacher do ?

A. Teacher should tell students that they will learn about this in higher classes.

B. Teacher should explain students that the reason of round stems is the gravity.

C. Teacher should ask students to think about the reason for the round shape of stem.

D. Teacher should take students for a garden visit and ask to observe the shape of various stems.

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

रिनी ने अध्यापक से पूछा, "पौधों के तने गोल क्यों होते हैं, चौकोर क्यों नहीं" ? अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

A. अध्यापक को विद्यार्थियों से कहना चाहिए कि वे इस बारे में उच्च कक्षाओं में सीखेंगे।

B. अध्यापक को विद्यार्थियों को समझाना चाहिए कि गोल तने का कारण गुरुत्वाकर्षण है।

C. अध्यापक को विद्यार्थियों से तने के गोल आकार होने के कारण सोचने के बारे में कहना चाहिए।

D. अध्यापक को विद्यार्थियों को बाग में घूमने ले जाना चाहिए तथा विभिन्न तनों के आकार देखने के लिए कहना चाहिए।

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q86]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) Which of the following methods can be effective in transaction of EVS ?

A. Chalk and Talk method

B. Lecture method

C. Role play

D. Story telling

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A, B, C and D

निम्नलिखित में से कौन-सी विधियाँ पर्यावरण अध्ययन के सम्पादन में प्रभावी हो सकती हैं ?

A. चॉक एवं टॉक विधि

B. व्याख्यान विधि

C. भूमिका निर्वहन

D. कहानी सुनाना

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A, B, C और D

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q87]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) An EVS teacher asked students to write a poem describing their mother. Pammi read her poem, “My mother is sweet like sugar and honey”. Some students don’t know the meaning of sugar and honey.
What will you do if you are Pammi’s teacher ?

(1) Bring sugar and honey and make the students eat

(2) Tell students meaning of sugar and honey in local language

(3) Bring sugar and honey and show them to students

(4) Explain students how sugar and honey are made

एक पर्यावरण अध्ययन अध्यापक विद्यार्थियों को उनकी मम्मी का वर्णन करने वाली कविता लिखने को कहती है । पम्मी अपनी कविता पढ़ती है, “मेरी मम्मी मीठी है, जैसे मिष्टी दोई” । कुछ विद्यार्थी मिष्टी दोई का अर्थ नहीं जानते हैं ।
यदि आप पम्मी के अध्यापक हैं, तो आप क्या करेंगे ?

(1) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई लाकर खिलाएँगे

(2) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई का अर्थ स्थानीय भाषा में बताएँगे

(3) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई लाकर दिखाएँगे

(4) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई कैसे बनता है समझाएँगे

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q88]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) Characteristic of a good EVS curriculum at primary level is to

(1) engage learners in inventing new products

(2) focus on acquiring knowledge

(3) develop socio-emotional skills learners

(4) help learners to earn their livelihood

प्राथमिक स्तर पर एक अच्छे पर्यावरण अध्ययन के पाठ्यचर्या की विशेषता है

(1) विद्यार्थियों को नए उत्पादों के आविष्कार में लगाना

(2) ज्ञान अर्जित करने पर केन्द्रित होना

(3) विद्यार्थियों में सामाजिक-भावनात्मक कौशलों को विकसित करना

(4) विद्यार्थियों को जीविकोपार्जन में सहायता करना

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q89]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) In EVS group discussion should be conducted, this creates meaningful knowledge. Which of the following statement best describes this fact ?

(1) Learning is faciliated due to social contact.

(2) Thoughts and experiences are shared with others.

(3) Every child is free to express his/her view.

(4) Every response is accepted without criticism.

पर्यावरण अध्ययन में समूह-चर्चा कराना चाहिए, इससे सार्थक ज्ञान का निर्माण होता है। निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इस तथ्य की सर्वोत्तम व्याख्या है ?

(1) सामाजिक संपर्क के माध्यम से अधिगम सरल हो जाता है।

(2) विचार और अनुभव दूसरों के साथ साझा किए जाते हैं।

(3) प्रत्येक बच्चा अपनी राय व्यक्त करने हेतु स्वतंत्र है।

(4) प्रत्येक प्रतिक्रिया को बिना आलोचना स्वीकार किया जाता है।

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_102_Q90]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- Sanskrit_Q91-99_L1_P1_CTET

1) ***निर्देश: :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एक: नृप: कश्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । स: सपरिवारं आमात्यादिभि: सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् स: नृप: वने परिवारात् आमात्यादिभ्य: दूरम्

अगच्छत् । यदा आमात्या: राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्तत: अभ्रमन् । नृपम् अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषित: एक: सैनिक: अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वित: स: सैनिक: ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इत: आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्य: ? । साधु: उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थ: अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्ध: असि तथापि बधिर: तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनि: अपि न श्रुत: । साधु: तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्ट: । तत: दुर्ववचनानि श्रावयित्वा स: सैनिक: तस्मात् स्थानात् निर्गत: ।

तत: नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापति: तत्र उपस्थित: अभवत् । स: साधुम् अपृच्छत् – भो साधु:! अपि अस्माकं नृपति: अत्र आगत: ? "नृपतिस्तु न आगत: परन्तु एक: सैनिक: राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" स: साधु: अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य स: सेनापति: अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढ: प्रधान आमात्य: अपि तत्र आगत: । स: रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगता: स्म: । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ता: जाता: । साधु: अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगत: प्रधानामात्य: अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

तत: यत्र स: साधु: उपविष्ट: तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थित: जात: । करबद्ध: राजा अकथयत् – हे भगवन्! तृषार्त: अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधु: अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अत: सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधो: एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगत: किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधु: अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिक: भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगत: आसीत् । तत्पश्चात् सेनापति: तत: प्रधानामात्य:, अधुना भवान् अत्र उपस्थित: ।

तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिण: पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधु: प्रत्युत्तरत् – तै: प्रयुक्तै: शब्दविशेषै: । सैनिक: मां "रे अन्ध:" इति उक्तम् । सेनापति: "भो: साधु:" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्य: माम् आदरपूर्वकं "भो: मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।

धन्य: खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृप: स्वनगरं प्रतिनिवृत्त: ।

शीलस्य परीक्षणम् केन क्रियते ?

(1) आदरवचसा

(2) दानेन

(3) हसनेन

(4) गायनेन

[Question ID = 541][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q91]

1. 1 [Option ID = 2161]
2. 2 [Option ID = 2162]
3. 3 [Option ID = 2163]
4. 4 [Option ID = 2164]

2) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एकः नृपः कश्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । सः सपरिवारं आमात्यादिभिः सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् सः नृपः वने परिवारात् आमात्यादिभ्यः दूरम् अगच्छत् । यदा आमात्याः राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्ततः अभ्रमन् । नृपम् अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषितः एकः सैनिकः अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वितः सः सैनिकः ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इतः आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्यः ? । साधुः उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थः अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्धः असि तथापि बधिरः तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनिः अपि न श्रुतः । साधुः तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्टः । ततः दुर्ववचनानि श्रावयित्वा सः सैनिकः तस्मात् स्थानात् निर्गतः ।

ततः नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापतिः तत्र उपस्थितः अभवत् । सः साधुम् अपृच्छत् – भो साधुः! अपि अस्माकं नृपतिः अत्र आगतः ? "नृपतिस्तु न आगतः परन्तु एकः सैनिकः राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" सः साधुः अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य सः सेनापतिः अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढः प्रधान आमात्यः अपि तत्र आगतः । सः रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगताः स्मः । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ताः जाताः । साधुः अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगतः प्रधानामात्यः अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

ततः यत्र सः साधुः उपविष्टः तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थितः जातः । करबद्धः राजा अकथयत् – हे भगवन्! तृषार्तः अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधुः अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अतः सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधोः एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगतः किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधुः अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिकः भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगतः आसीत् । तत्पश्चात् सेनापतिः ततः प्रधानामात्यः, अधुना भवान् अत्र उपस्थितः ।

तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिणः पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधुः प्रत्युत्तरत् – तैः प्रयुक्तैः शब्दविशेषैः । सैनिकः मां "रे अन्धः" इति उक्तम् । सेनापतिः "भोः साधुः" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्यः माम् आदरपूर्वकं "भोः मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।

धन्यः खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृपः स्वनगरं प्रतिनिवृत्तः ।

सैनिक: साधुम् किं उक्तवान् ?

(1) भो: साधु:

(2) रे अन्ध

(3) हे भगवन्

(4) भो: मुनिवर:

[Question ID = 542][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q92]

1. 1 [Option ID = 2165]
2. 2 [Option ID = 2166]
3. 3 [Option ID = 2167]
4. 4 [Option ID = 2168]

3) ***निर्देश: :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एक: नृप: कश्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । स: सपरिवारं आमात्यादिभि: सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् स: नृप: वने परिवारात् आमात्यादिभ्य: दूरम् अगच्छत् । यदा आमात्या: राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्तत: अभ्रमन् । नृपम् अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषित: एक: सैनिक: अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वित: स: सैनिक: ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इत: आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्य: ? । साधु: उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थ: अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्ध: असि तथापि बधिर: तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनि: अपि न श्रुत: । साधु: तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्ट: । तत: दुर्ववचनानि श्रावयित्वा स: सैनिक: तस्मात् स्थानात् निर्गत: ।

तत: नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापति: तत्र उपस्थित: अभवत् । स: साधुम् अपृच्छत् – भो साधु:! अपि अस्माकं नृपति: अत्र आगत: ? "नृपतिस्तु न आगत: परन्तु एक: सैनिक: राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" स: साधु: अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य स: सेनापति: अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढ: प्रधान आमात्य: अपि तत्र आगत: । स: रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगता: स्म: । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ता: जाता: । साधु: अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगत: प्रधानामात्य: अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

तत: यत्र स: साधु: उपविष्ट: तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थित: जात: । करबद्ध: राजा अकथयत् – हे भगवन्! तृषार्त: अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधु: अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अत: सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधो: एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगत: किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधु: अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिक: भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगत: आसीत् । तत्पश्चात् सेनापति: तत: प्रधानामात्य:, अधुना भवान् अत्र उपस्थित: ।

तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिण: पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधु: प्रत्युत्तरत् – तै: प्रयुक्तै: शब्दविशेषै: । सैनिक: मां "रे अन्ध:" इति उक्तम् । सेनापति: "भो: साधु:" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्य: माम् आदरपूर्वकं "भो: मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।

धन्य: खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृप: स्वनगरं प्रतिनिवृत्त: ।

अधोलिखितेषु पदेषु अव्ययपदं किं ?

(1) श्रुत्वा

(2) नृप:

(3) ननु

(4) भो:

[Question ID = 543][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q93]

1. 1 [Option ID = 2169]
2. 2 [Option ID = 2170]
3. 3 [Option ID = 2171]
4. 4 [Option ID = 2172]

4) ***निर्देश: :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एक: नृप: कश्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । स: सपरिवारं आमात्यादिभि: सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् स: नृप: वने परिवारात् आमात्यादिभ्य: दूरम् अगच्छत् । यदा आमात्या: राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्तत: अभ्रमन् । नृपम् अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषित: एक: सैनिक: अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वित: स: सैनिक: ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इत: आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्य: ? । साधु: उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थ: अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्ध: असि तथापि बधिर: तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनि: अपि न श्रुत: । साधु: तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्ट: । तत: दुर्ववचनानि श्रावयित्वा स: सैनिक: तस्मात् स्थानात् निर्गत: ।

तत: नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापति: तत्र उपस्थित: अभवत् । स: साधुम् अपृच्छत् – भो साधु:! अपि अस्माकं नृपति: अत्र आगत: ? "नृपतिस्तु न आगत: परन्तु एक: सैनिक: राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" स: साधु: अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य स: सेनापति: अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढ: प्रधान आमात्य: अपि तत्र आगत: । स: रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगता: स्म: । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ता: जाता: । साधु: अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगत: प्रधानामात्य: अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

ततः यत्र सः साधुः उपविष्टः तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थितः जातः । करबद्धः राजा अकथयत् – हे भगवन्! तृषार्तः अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधुः अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अतः सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधोः एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगतः किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधुः अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिकः भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगतः आसीत् । तत्पश्चात् सेनापतिः ततः प्रधानामात्यः, अधुना भवान् अत्र उपस्थितः ।
तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिणः पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधुः प्रत्युत्तरत् – तैः प्रयुक्तैः शब्दविशेषैः । सैनिकः मां "रे अन्धः" इति उक्तम् । सेनापतिः "भोः साधुः" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्यः माम् आदरपूर्वकं "भोः मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।
धन्यः खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृपः स्वनगरं प्रतिनिवृत्तः ।

नृपः किमर्थं अरण्ये गतवान् ?

(1) भ्रमणार्थम्

(2) युद्धार्थम्

(3) व्यापारार्थम्

(4) मृगयार्थम्

[Question ID = 544][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q94]

1. 1 [Option ID = 2173]
2. 2 [Option ID = 2174]
3. 3 [Option ID = 2175]
4. 4 [Option ID = 2176]

5) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एकः नृपः कस्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । सः सपरिवारं आमात्यादिभिः सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् सः नृपः वने परिवारात् आमात्यादिभ्यः दूरम् अगच्छत् । यदा आमात्याः राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्ततः अभ्रमन् । नृपम् अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषितः एकः सैनिकः अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वितः सः सैनिकः ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इतः आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्यः ? । साधुः उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थः अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्धः असि तथापि बधिरः तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनिः अपि न श्रुतः । साधुः तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्टः । ततः दुर्ववचनानि श्रावयित्वा सः सैनिकः तस्मात् स्थानात् निर्गतः ।
ततः नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापतिः तत्र उपस्थितः अभवत् । सः साधुम् अपृच्छत् – भो

साधु:! अपि अस्माकं नृपति: अत्र आगत: ? "नृपतिस्तु न आगत: परन्तु एक: सैनिक: राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" स: साधु: अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य स: सेनापति: अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढ: प्रधान आमात्य: अपि तत्र आगत: । स: रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगता: स्म: । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ता: जाता: । साधु: अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगत: प्रधानामात्य: अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

तत: यत्र स: साधु: उपविष्ट: तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थित: जात: । करबद्ध: राजा अकथयत् – हे भगवन्! तृषार्त: अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधु: अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अत: सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधो: एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगत: किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधु: अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिक: भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगत: आसीत् । तत्पश्चात् सेनापति: तत: प्रधानामात्य:, अधुना भवान् अत्र उपस्थित: ।

तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिण: पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधु: प्रत्युत्तरत् – तै: प्रयुक्तै: शब्दविशेषै: । सैनिक: मां "रे अन्ध:" इति उक्तम् । सेनापति: "भो: साधु:" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्य: माम् आदरपूर्वकं "भो: मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।

धन्य: खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृप: स्वनगरं प्रतिनिवृत्त: ।

'दिशायां' अस्मिन् पदे का विभक्ति: ?

(1) द्वितीया

(2) सप्तमी

(3) षष्ठी

(4) तृतीया

[Question ID = 545][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q95]

1. 1 [Option ID = 2177]
2. 2 [Option ID = 2178]
3. 3 [Option ID = 2179]
4. 4 [Option ID = 2180]

6) ***निर्देश: :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एक: नृप: कश्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । स: सपरिवारं आमात्यादिभि: सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् स: नृप: वने परिवारात् आमात्यादिभ्य: दूरम् अगच्छत् । यदा आमात्या: राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्तत: अभ्रमन् । नृपम्

अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषित: एक: सैनिक: अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वित: स: सैनिक: ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इत: आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्य: ? । साधु: उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थ: अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्ध: असि तथापि बधिर: तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनि: अपि न श्रुत: । साधु: तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्ट: । तत: दुर्ववचनानि श्रावयित्वा स: सैनिक: तस्मात् स्थानात् निर्गत: ।

तत: नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापति: तत्र उपस्थित: अभवत् । स: साधुम् अपृच्छत् – भो साधु:! अपि अस्माकं नृपति: अत्र आगत: ? "नृपतिस्तु न आगत: परन्तु एक: सैनिक: राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" स: साधु: अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य स: सेनापति: अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढ: प्रधान आमात्य: अपि तत्र आगत: । स: रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगता: स्म: । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ता: जाता: । साधु: अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगत: प्रधानामात्य: अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

तत: यत्र स: साधु: उपविष्ट: तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थित: जात: । करबद्ध: राजा अकथयत् – हे भगवन्! तृषार्त: अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधु: अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अत: सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधो: एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगत: किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधु: अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिक: भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगत: आसीत् । तत्पश्चात् सेनापति: तत: प्रधानामात्य:, अधुना भवान् अत्र उपस्थित: ।

तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिण: पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधु: प्रत्युत्तरत् – तै: प्रयुक्तै: शब्दविशेषै: । सैनिक: मां "रे अन्ध:" इति उक्तम् । सेनापति: "भो: साधु:" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्य: माम् आदरपूर्वकं "भो: मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।

धन्य: खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृप: स्वनगरं प्रतिनिवृत्त: ।

कान् अनुसरन् राजा दूरं अगच्छत् ?

(1) वन्यजीवान्

(2) सैनिकान्

(3) सेवकान्

(4) रक्षकान्

[Question ID = 546][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q96]

1. 1 [Option ID = 2181]

2. 2 [Option ID = 2182]
3. 3 [Option ID = 2183]
4. 4 [Option ID = 2184]

7) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एकः नृपः कस्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । सः सपरिवारं आमात्यादिभिः सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् सः नृपः वने परिवारात् आमात्यादिभ्यः दूरम् अगच्छत् । यदा आमात्याः राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्ततः अभ्रमन् । नृपम् अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषितः एकः सैनिकः अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वितः सः सैनिकः ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इतः आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्यः ? । साधुः उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थः अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्धः असि तथापि बधिरः तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनिः अपि न श्रुतः । साधुः तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्टः । ततः दुर्ववचनानि श्रावयित्वा सः सैनिकः तस्मात् स्थानात् निर्गतः ।

ततः नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापतिः तत्र उपस्थितः अभवत् । सः साधुम् अपृच्छत् – भो साधुः! अपि अस्माकं नृपतिः अत्र आगतः ? "नृपतिस्तु न आगतः परन्तु एकः सैनिकः राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" सः साधुः अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य सः सेनापतिः अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढः प्रधान आमात्यः अपि तत्र आगतः । सः रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगताः स्मः । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ताः जाताः । साधुः अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगतः प्रधानामात्यः अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

ततः यत्र सः साधुः उपविष्टः तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थितः जातः । करबद्धः राजा अकथयत् – हे भगवन्! तृषार्तः अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधुः अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अतः सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधोः एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगतः किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधुः अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिकः भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगतः आसीत् । तत्पश्चात् सेनापतिः ततः प्रधानामात्यः, अधुना भवान् अत्र उपस्थितः ।

तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिणः पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधुः प्रत्युत्तरत् – तैः प्रयुक्तैः शब्दविशेषैः । सैनिकः मां "रे अन्धः" इति उक्तम् । सेनापतिः "भोः साधुः" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्यः माम् आदरपूर्वकं "भोः मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।

धन्यः खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृपः स्वनगरं प्रतिनिवृत्तः ।

अन्वेषणार्थं इत्यस्य पदस्य शुद्धः विच्छेदः किम् ?

(1) अन्वेष + णार्थम्

(2) अन्वे + षणार्थम्

(3) अन्वेषण + अर्थम्

(4) अन्व + इषणार्थम्

[Question ID = 547][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q97]

1. 1 [Option ID = 2185]
2. 2 [Option ID = 2186]
3. 3 [Option ID = 2187]
4. 4 [Option ID = 2188]

8) ***निर्देश: :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एक: नृप: कस्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । स: सपरिवारं आमात्यादिभि: सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् स: नृप: वने परिवारात् आमात्यादिभ्य: दूरम् अगच्छत् । यदा आमात्या: राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्तत: अभ्रमन् । नृपम् अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषित: एक: सैनिक: अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वित: स: सैनिक: ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इत: आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्य: ? । साधु: उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थ: अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्ध: असि तथापि बधिर: तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनि: अपि न श्रुत: । साधु: तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्ट: । तत: दुर्ववचनानि श्रावयित्वा स: सैनिक: तस्मात् स्थानात् निर्गत: ।

तत: नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापति: तत्र उपस्थित: अभवत् । स: साधुम् अपृच्छत् – भो साधु:! अपि अस्माकं नृपति: अत्र आगत: ? "नृपतिस्तु न आगत: परन्तु एक: सैनिक: राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" स: साधु: अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य स: सेनापति: अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढ: प्रधान आमात्य: अपि तत्र आगत: । स: रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगता: स्म: । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ता: जाता: । साधु: अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगत: प्रधानामात्य: अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

तत: यत्र स: साधु: उपविष्ट: तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थित: जात: । करबद्ध: राजा अकथयत् – हे भगवन्! तृषार्त: अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधु: अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अत: सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधो: एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगत: किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधु: अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिक: भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगत: आसीत् । तत्पश्चात् सेनापति: तत: प्रधानामात्य:, अधुना भवान् अत्र उपस्थित: ।

तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिण: पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधु:

प्रत्युत्तरत् – तैः प्रयुक्तैः शब्दविशेषैः । सैनिकः मां "रे अन्धः" इति उक्तम् । सेनापतिः "भोः साधुः" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्यः माम् आदरपूर्वकं "भोः मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।

धन्यः खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृपः स्वनगरं प्रतिनिवृत्तः ।

'क्लान्तः' इत्यस्य पदस्य समानार्थकं पदं गद्यांशे किं अस्ति ?

(1) उपस्थितः

(2) सन्तुष्टः

(3) दृष्टः

(4) परिश्रान्तः

[Question ID = 548][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q98]

1. 1 [Option ID = 2189]
2. 2 [Option ID = 2190]
3. 3 [Option ID = 2191]
4. 4 [Option ID = 2192]

9) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

एकदा एकः नृपः कस्मिंश्चिद् अरण्ये मृगयार्थं गतवान् आसीत् । सः सपरिवारं आमात्यादिभिः सह तत्र गतवान् आसीत् । वन्यजीवान् अनुसरन् सः नृपः वने परिवारात् आमात्यादिभ्यः दूरम् अगच्छत् । यदा आमात्याः राजानाम् न अपश्यन् ते सर्वे तं अन्वेष्टुम् इतस्ततः अभ्रमन् । नृपम् अन्वेष्टुम् आमात्येन प्रेषितः एकः सैनिकः अरण्यस्य मध्ये एकस्मिन् वृक्षस्य तले ध्यानमग्नं अन्धं साधूम् अपश्यत् । गर्वितः सः सैनिकः ध्यानमग्नं साधुम् अवदत् – रे अन्ध! किं त्वम् इतः आगतम् अस्माकं राजानम् अपश्यः ? । साधुः उवाच – अन्धोऽहम् । कथं द्रष्टुं समर्थः अस्मि । आम् जानामि त्वं अन्धः असि तथापि बधिरः तु नास्ति ? किं त्वया अश्वपदध्वनिः अपि न श्रुतः । साधुः तं सैनिकं प्रत्युतरत् – न कोऽपि राजा अत्र मया दृष्टः । ततः दुर्ववचनानि श्रावयित्वा सः सैनिकः तस्मात् स्थानात् निर्गतः ।

ततः नृपस्य अन्वेषणं कृत्वा सेनापतिः तत्र उपस्थितः अभवत् । सः साधुम् अपृच्छत् – भो साधुः! अपि अस्माकं नृपतिः अत्र आगतः ? "नृपतिस्तु न आगतः परन्तु एकः सैनिकः राजानम् अन्विष्यन् उत्तरदिशायां अगच्छत्" सः साधुः अवदत् । एतत् वचनम् आकर्ण्य सः सेनापतिः अन्य दिशायाम् अन्वेषणार्थं निरगच्छत् । अनन्तरं रथारूढः प्रधान आमात्यः अपि तत्र आगतः । सः रथात् अवतीर्य सविनयं साधुम् अपृच्छत् – भो मुनिवर! अस्मिन् दुर्गमवने वयं नृपतिना सह मृगयार्थं आगताः स्मः । परं दुर्भाग्येण ते अस्मात् वियुक्ताः जाताः । साधुः अवदत् – अस्मिन् विषये अहं किमपि न जानामि । तदा नैराश्यमुपगतः प्रधानामात्यः अपि अन्यत्र दिशायां निरगच्छत् ।

ततः यत्र सः साधुः उपविष्टः तत्र परिश्रान्तो राजा उपस्थितः जातः । करबद्धः राजा अकथयत्

– हे भगवन्! तृषार्त: अहम् । किंचित् जलं पातुम् इच्छामि । तदा साधु: अवदत् – भवतां स्वागतं राजन् । परिश्रान्तो लक्ष्यसे भवान् । अत: सहसा जलस्य पानं मा कुरु । किंचित् कन्दमूलफलानि भुक्त्वा जलस्य पानं कर्तव्यम् । साधो: एतद् वचनं श्रुत्वा सविस्मयं राजा अपृच्छत् – ननु नेत्रहीनो भूत्वा अपि भवता अहं राजा इति कथं विज्ञातम् ? माम् अन्वेष्टुं कश्चिद् आगत: किम् ? तत् श्रुत्वा हसित्वा साधु: अब्रवीत् – प्रथमं तु सैनिक: भवन्तम् अन्वेष्टुम् आगत: आसीत् । तत्पश्चात् सेनापति: तत: प्रधानामात्य:, अधुना भवान् अत्र उपस्थित: ।
तदा राजा अपृच्छत् – भगवन् तेषाम् अधिकारिण: पदानि अपि कथम् अभिज्ञातानि । साधु: प्रत्युत्तरत् – तै: प्रयुक्तै: शब्दविशेषै: । सैनिक: मां "रे अन्ध:" इति उक्तम् । सेनापति: "भो: साधु:" सम्बोधितवान् । तत्पश्चात् प्रधानामात्य: माम् आदरपूर्वकं "भो: मुनिवर" इति अब्रवीत् । भवता सप्रणामं प्रेमपूर्वकं "हे भगवन्" इति गौरवपदं प्रयुक्तम् । हे राजन्! आदरवचांसि शीलं श्रेष्ठतां च द्योतयन्ति ।
धन्य: खलु भवान्, येन शब्दमात्रेण शीलस्य परीक्षणं कृतम् । इत्युक्त्वा तं ऋषिवरं प्रणम्य नृप: स्वनगरं प्रतिनिवृत्त: ।

'अन्धोऽहम् ! कथं द्रष्टुम् समर्थ: अस्मि ?' इति क: कं कथयति ?

(1) नृप: सैनिकम्

(2) साधु: सैनिकम्

(3) सेनापति: नृपम्

(4) आमात्य: सेनापतिम्

[Question ID = 549][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q99]

1. 1 [Option ID = 2193]
2. 2 [Option ID = 2194]
3. 3 [Option ID = 2195]
4. 4 [Option ID = 2196]

Topic:- Sanskrit_Q100-105_L1_P1_CTET

1) ***निर्देश: :*** *अधोलिखितं श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

साहित्यसंगीतकलाविहीन: साक्षात्पशु: पुच्छविषाणहीन: ।
तृणं न खादन्नपि जीवमान: तद् भागधेयं परमं पशूनाम् ।। 1
जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धा: कवीश्वरा: ।
नास्ति येषां यश: काये जरामरणजं भयम् ।। 2
सिंह: शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोलभित्तिषु गजेषु ।
प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतु: ।। 3
दानं भोगो नाश: तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य ।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति ।। 4
आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु: ।
नास्त्युद्यमसमो बन्धु: कृत्वा यं नावसीदति ।। 5

कीदृश: जन: साक्षात्पशु: भवति ?

(1) पुच्छविषाणहीन:

(2) तृणं खादन्

(3) साहित्यसंगीतकलाविहीन:

(4) वने भ्रमन्

[Question ID = 550][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q100]

1. 1 [Option ID = 2197]
2. 2 [Option ID = 2198]
3. 3 [Option ID = 2199]
4. 4 [Option ID = 2200]

2) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्य: उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

साहित्यसंगीतकलाविहीन: साक्षात्पशु: पुच्छविषाणहीन: ।
तृणं न खादन्नपि जीवमान: तद् भागधेयं परमं पशूनाम् ।। 1
जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धा: कवीश्वरा: ।
नास्ति येषां यश: काये जरामरणजं भयम् ।। 2
सिंह: शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोलभित्तिषु गजेषु ।
प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतु: ।। 3
दानं भोगो नाश: तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य ।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति ।। 4
आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु: ।
नास्त्युद्यमसमो बन्धु: कृत्वा यं नावसीदति ।। 5

तेजस: हेतु: किं न भवति ?

(1) विद्या

(2) वय:

(3) धनम्

(4) व्यापार:

[Question ID = 551][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q101]

1. 1 [Option ID = 2201]
2. 2 [Option ID = 2202]
3. 3 [Option ID = 2203]
4. 4 [Option ID = 2204]

3) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

साहित्यसंगीतकलाविहीन: साक्षात्पशु: पुच्छविषाणहीन: ।
तृणं न खादन्नपि जीवमान: तद् भागधेयं परमं पशूनाम् ।। 1
जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धा: कवीश्वरा: ।
नास्ति येषां यश: काये जरामरणजं भयम् ।। 2
सिंह: शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोलभित्तिषु गजेषु ।
प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतु: ।। 3
दानं भोगो नाश: तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य ।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति ।। 4
आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु: ।
नास्त्युद्यमसमो बन्धु: कृत्वा यं नावसीदति ।। 5

कवीश्वरा: के सन्ति ?

(1) मूर्खा:

(2) विद्वान्स:

(3) रससिद्धा: कवय:

(4) अध्यापका:

[Question ID = 552][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q102]

1. 1 [Option ID = 2205]
2. 2 [Option ID = 2206]
3. 3 [Option ID = 2207]
4. 4 [Option ID = 2208]

4) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।
तृणं न खादन्नपि जीवमानः तद् भागधेयं परमं पशूनाम् ।। 1
जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः ।
नास्ति येषां यशः काये जरामरणजं भयम् ।। 2
सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोलभित्तिषु गजेषु ।
प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतुः ।। 3
दानं भोगो नाशः तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य ।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति ।। 4
आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः ।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति ।। 5

तिस्रः गतयः कस्य भवन्ति ?

(1) नरस्य

(2) वित्तस्य

(3) मृगस्य

(4) वृक्षस्य

[Question ID = 553][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q103]

1. 1 [Option ID = 2209]
2. 2 [Option ID = 2210]
3. 3 [Option ID = 2211]
4. 4 [Option ID = 2212]

5) ***निर्देश: :*** *अधोलिखितं श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

साहित्यसंगीतकलाविहीन: साक्षात्पशु: पुच्छविषाणहीन: ।
तृणं न खादन्नपि जीवमान: तद् भागधेयं परमं पशूनाम् ।। 1
जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धा: कवीश्वरा: ।
नास्ति येषां यश: काये जरामरणजं भयम् ।। 2
सिंह: शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोलभित्तिषु गजेषु ।
प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतु: ।। 3
दानं भोगो नाश: तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य ।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति ।। 4
आलस्यं हि मनुष्याणां शरीस्थो महान् रिपु: ।
नास्त्युद्यमसमो बन्धु: कृत्वा यं नावसीदति ।। 5

मानवस्य श्रेष्ठ: बन्धु: क: अस्ति ?

(1) हास्य:

(2) चिन्ता

(3) उद्यम:

(4) विस्मय:

[Question ID = 554][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q104]

1. 1 [Option ID = 2213]
2. 2 [Option ID = 2214]
3. 3 [Option ID = 2215]
4. 4 [Option ID = 2216]

6) ***निर्देशः :*** *अधोलिखितं श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।*

साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।
तृणं न खादन्नपि जीवमानः तद् भागधेयं परमं पशूनाम् ।। 1
जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः ।
नास्ति येषां यशः काये जरामरणजं भयम् ।। 2
सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोलभित्तिषु गजेषु ।
प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतुः ।। 3
दानं भोगो नाशः तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य ।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति ।। 4
आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः ।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति ।। 5

सिंहः शिशुरपि कस्मिन् निपतति ?

(1) गजेषु

(2) भूतले

(3) पर्वते

(4) वने

[Question ID = 555][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q105]

1. 1 [Option ID = 2217]
2. 2 [Option ID = 2218]
3. 3 [Option ID = 2219]
4. 4 [Option ID = 2220]

Topic:- Sanskrit_Q106-120_L1_P1_CTET

1) अधोलिखितेषु किं आधारभूतं पठनकौशलं ***न*** अस्ति ?

(1) निष्कूटनम् (Decoding)

(2) शब्दाभिज्ञानम्

(3) रूपविज्ञानम् (Morphology)

(4) शब्दावलिपठनम्

[Question ID = 556][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q106]

1. 1 [Option ID = 2221]
2. 2 [Option ID = 2222]
3. 3 [Option ID = 2223]
4. 4 [Option ID = 2224]

2) एका शिक्षिका निर्देशमाध्यमेन प्रोत्साहनमाध्यमेन च छात्रान् स्वप्रारम्भिकवर्षेषु स्वभाषां अर्जितुम् प्रेरयति तथा च तदनुसारं कार्यं कर्तुम् निर्दिशति । सा अवलम्बते

(1) स्वयमेव करणीया पद्धति:

(2) सकलशारीरिकप्रतिक्रिया उपागम: (Total Physical Response approach)

(3) क्रियापरकशिक्षण उपागम: (Learning by Doing approach)

(4) कथावाचनपद्धति: (Story telling method)

[Question ID = 557][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q107]

1. 1 [Option ID = 2225]
2. 2 [Option ID = 2226]
3. 3 [Option ID = 2227]
4. 4 [Option ID = 2228]

3) भाषा एकं सामाजिकं उपकरणं अस्ति

(1) निर्वचनस्य

(2) अन्त: क्रियाया:

(3) सूचनार्थं

(4) हस्तक्षेपस्य

[Question ID = 558][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q108]

1. 1 [Option ID = 2229]
2. 2 [Option ID = 2230]
3. 3 [Option ID = 2231]
4. 4 [Option ID = 2232]

4) पठनकाले विवरणान्, स्थानानि, नामानि, तिथीन्/समयं चिन्हितुं योग्यता अस्ति

(1) वैश्विकं अवबोधनम् (Global Comprehension)

(2) स्थानीयं अवबोधनम् (Local Comprehension)

(3) निष्कर्षनिर्धारणम् (Drawing Inference)

(4) पाठ्यनिर्वचनम् (Interpretation of the text)

[Question ID = 559][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q109]

1. 1 [Option ID = 2233]
2. 2 [Option ID = 2234]
3. 3 [Option ID = 2235]
4. 4 [Option ID = 2236]

5) एका शिक्षिका पञ्चमकक्षाया: छात्रान् पठनं आस्वादितुं अवधारणाया: प्रभावपूर्णग्रहणार्थं च एकं सुदीर्घं लेखं पठितुं निर्दिशति । सा अभ्यासं करोति

(1) विस्तृतपठनस्य (Extensive reading)

(2) गहनपठनस्य (Intensive reading)

(3) खण्डितपठनस्य (Jigsaw reading)

(4) सहपाठिपठनस्य (Partner reading)

[Question ID = 560][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q110]

1. 1 [Option ID = 2237]
2. 2 [Option ID = 2238]
3. 3 [Option ID = 2239]
4. 4 [Option ID = 2240]

6) एका शिक्षिका छात्रान् नवीनशब्दान् शिक्षितुम् वास्तविकवस्तूनि प्रयुङ्कते, यतो हि

(1) एतत् शब्दानां शुद्धवर्तनीशिक्षणे उपयोगी भवति।

(2) वयम् शब्दावलिं केवलं वस्तुमाध्यमेन शिक्षितुम् शक्नुम:।

(3) छात्रा: अमूर्तचिन्तने समर्था: न सन्ति।

(4) अनेन छात्रा: शब्दान् ताभि: वस्तुभि: सह योजयितुं शक्नुवन्ति, यानि ते वास्तविकजीवने पश्यन्ति।

[Question ID = 561][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q111]

1. 1 [Option ID = 2241]
2. 2 [Option ID = 2242]
3. 3 [Option ID = 2243]
4. 4 [Option ID = 2244]

7) यदा छात्र: नवीनभाषां गृह्णाति किन्तु तया न सम्भाषते। एष: अवधि: कथ्यते

(1) उदीयमाना वाक् (Speech emergent)

(2) मूक: (Silent)

(3) प्रारम्भिकं उत्पादनम् (Early production)

(4) उदीयमान: (Emergent)

[Question ID = 562][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q112]

1. 1 [Option ID = 2245]
2. 2 [Option ID = 2246]
3. 3 [Option ID = 2247]
4. 4 [Option ID = 2248]

8) एका सुयोग्या भाषाशिक्षिका

(1) छात्रान् पाठ्यपुस्तकेषु दत्तानां प्रश्नानां सर्वान् उत्तरान् कण्ठस्थीकर्तुं निर्दिशति

(2) शिक्षणार्थं पाठस्य अन्यसंसाधनानाम् च प्रयोग: करोति

(3) केवलं पाठ्यपुस्तके दत्तेभ्य: प्रश्नेभ्य: एव प्रश्नपत्रान् रचयति

(4) सर्वथा अनुशंसिते पुस्तके निर्भरा भवति

[Question ID = 563][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q113]

1. 1 [Option ID = 2249]
2. 2 [Option ID = 2250]
3. 3 [Option ID = 2251]
4. 4 [Option ID = 2252]

9) एका अध्यापिका छात्राणां भाषाकार्यं एके पत्रावरके (folder) स्थापयति, अनन्तरं च अस्य प्रयोग: छात्राणां भाषालब्धिं आकलयितुं करोति । एषा आकलनपद्धति: कथ्यते

(1) निदानात्मकपरीक्षा (Diagnostic test)

(2) उपाख्यानात्मक: अभिलेख: (Anecdotal record)

(3) योगात्मकाकलनम् (Summative assessment)

(4) पत्रावधानाकलनम् (Portfolio assessment)

[Question ID = 564][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q114]

1. 1 [Option ID = 2253]
2. 2 [Option ID = 2254]
3. 3 [Option ID = 2255]
4. 4 [Option ID = 2256]

10) शिक्षणस्य पद्धति: यस्मिन् लक्ष्यभाषाया: अवबोधने छात्रस्य मातृभाषाया: व्यवधानं न स्वीक्रियते । एषा किं कथ्यते ?

(1) प्रत्यक्षपद्धति: (Direct method)

(2) व्याकरणानुवादपद्धति: (Grammar translation method)

(3) द्विभाषिकपद्धति: (Bilingual method)

(4) स्थितिपरकपद्धति: (Situational method)

[Question ID = 565][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q115]

1. 1 [Option ID = 2257]
2. 2 [Option ID = 2258]
3. 3 [Option ID = 2259]
4. 4 [Option ID = 2260]

11) अधोलिखितु क: अधोगामी-उपागमे (Top-down approach) आधारित: **न** अस्ति ?

(1) छात्र: भाषाया: अर्थं ज्ञातुम् स्वपूर्वज्ञानस्य प्रयोगं करोति ।

(2) छात्र: पठनकाले श्रवणकाले वा एतस्य अनुमानं करोति यत् पुस्तके अग्रे किं वर्तते ।

(3) छात्र: प्रत्येकशब्दे वाक्यांशेषु च एकाग्र: भूत्वा भाषां अवगच्छति ।

(4) ते कविताभ्य: कथाभ्य: च आरभ्य, अनन्तां वर्णमालां प्रति आगच्छन्ति ।

[Question ID = 566][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q116]

1. 1 [Option ID = 2261]
2. 2 [Option ID = 2262]
3. 3 [Option ID = 2263]
4. 4 [Option ID = 2264]

12) उपचारात्मकं शिक्षणम्

(1) छात्रस्य अधिगमप्रक्रियायां आगतान् अन्तरालान् पूरयति ।

(2) असम्यक् रूपेण अवगतानां अवधारणानां संशोधनं करोति ।

(3) कक्षायां सजातीयतां स्थापयति ।

(4) नवीनभाषाविषयान् प्रारभते ।

[Question ID = 567][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q117]

1. 1 [Option ID = 2265]
2. 2 [Option ID = 2266]
3. 3 [Option ID = 2267]
4. 4 [Option ID = 2268]

13) एका शिक्षणविकलता यया पठनस्य, निर्वचनस्य, वर्णशब्दसङ्केतानां अवबोधनस्य च योग्यता प्रभाविता भवति । एषा कथ्यते

(1) डिस्लेक्सिया (Dyslexia)

(2) डिस्कैल्कुलिया (Dyscalculia)

(3) डिस्फेज़िया (Dysphasia)

(4) डिस्प्रेक्सिया (Dyspraxia)

[Question ID = 568][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q118]

1. 1 [Option ID = 2269]
2. 2 [Option ID = 2270]
3. 3 [Option ID = 2271]
4. 4 [Option ID = 2272]

14) भाषाकक्षायां अधोलिखितेषु किं मुद्रणसमृद्धपरिवेश: इति मन्यते ?

(1) कक्षायां प्रदर्शितानि भित्तिपत्राणि, विज्ञापनपत्राणि दत्तकक्षाकार्याणि च ।

(2) परिवेशे सूचनापटा:, प्लेकार्ड (Placards), नामपत्राणि (Labels), रैपर्स (Wrappers) इत्यादय: ।

(3) कक्षापुस्तकालये स्थितासु संधारिकासु (Almirahs) धृतानि पुस्तकानि ।

(4) इलैक्ट्रॉनिक मीडिया यथा - टी.वी., कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन आदय: ।

[Question ID = 569][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q119]

1. 1 [Option ID = 2273]
2. 2 [Option ID = 2274]
3. 3 [Option ID = 2275]
4. 4 [Option ID = 2276]

15) प्रथमपीढीछात्रा: ते सन्ति ये

(1) स्वपरिवारे प्रथमा:, ये विद्यालयं गता:

(2) प्रवेशाय प्रथमवारं विद्यालयं आगता:

(3) विद्यालये प्रवेशअर्हताकार्यक्रमे (School preparedness programme) सहभागिता

(4) विद्यालये प्रथमवारं भाषाधिगम:

[Question ID = 570][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_102_SANSKRIT_Q120]

1. 1 [Option ID = 2277]
2. 2 [Option ID = 2278]
3. 3 [Option ID = 2279]
4. 4 [Option ID = 2280]

Topic:- Gujarati_Q121-128_L2_P1_CTET

1) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

શ્રમથી કૌશલ્ય કેળવાય છે એટલું જ નહીં પણ રચનાત્મક બુદ્ધિ ખીલે છે એનું ભાન જોઈએ તેટલા લોકોને નથી થયું એ દુ:ખની વાત છે જ. પણ હાથપગના સ્વાશ્રય વિના ચારિત્ર્ય પણ કોઈ કાળે કેળવાતું નથી; કેળવાય તો મજબૂત થતું નથી; અણીને પ્રસંગે દગો દે છે. એ વસ્તુ તરફ કોઈએ ધ્યાન સરખું ખેચ્યું નથી. એટલે 'ધ્યાન ખેચ્યા છતાં લોકો એ તરફ દુર્લક્ષ કરે છે' એવી ફરિયાદ કરવાનો અવકાશ હજુ મળ્યો નથી. વિલાસિતા અને અપંગતા જાળવીને કોઈએ ચારિત્ર્ય સાચવ્યું હોય એમ આજ સુધી બન્યું નથી, કેમ કે એ વાત મનુષ્યસ્વભાવની વિરુદ્ધ છે. સ્વાશ્રય અને સંયમ એ ચારિત્ર્યનાં બે ફેફસાં છે. એ ચાલે નહીં તો પ્રાણ એક ક્ષણ પણ ટકે નહીં. જ્યાં સ્વાશ્રય અને સંયમ નથી ત્યાં ડગલે ને પગલે ધારેલું જીવન અનેક જાતની લુચ્ચાઈ અને કપટનીતિનો આશ્રય શોધે છે અને પછી આડીઅવળી દલીલોથી આત્મવંચના અને સમાજવંચના કરી પોતાનો બચાવ શોધે છે. સ્વાશ્રયી માનસમાં અખૂટ હિંમત હોવાથી એણે નાસીપાસ થવાનો વારો આવતો નથી. એ દિલદાર હોય છે. બીજાની મૂંઝવણ જોઈ એનું હૈયું સહેજે પીગળે છે. વિકટમાં વિકટ પરિસ્થિતિમાં પણ 'ટકીશ કે કેમ' એવો અણવિશ્વાસ એની પાસે આવતો નથી. કેમ કે જાતમહેનતની બેંકનું કદી દેવાળું નીકળતું નથી. આપણા શરીરને સાચા અર્થમાં સ્વાવલંબી બનાવવું હોય તો પ્રથમ તો આપણે શ્રમ કરવા સર્જાયેલા આપણા શરીરને ભરપૂર પરિશ્રમ કરાવવો જોઈએ. જાતમહેનત વિના કોઈને ખાવાનો અધિકાર નથી એ ફરમાનનો અમલ આપણે પોતે જ કરવો જોઈએ.

લેખકને મન શું દુ:ખદાયક છે ?

(1) પરિશ્રમથી બુદ્ધિ ઘટે એવી માન્યતા હોવી

(2) પરિશ્રમથી બુદ્ધિ વધે એ વિશેની અજ્ઞાનતા

(3) પરિશ્રમથી બળ વધે એનો મત હોવો

(4) પરિશ્રમથી કળ વધે એવો મત ન હોવો

[Question ID = 811][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q121]

1. 1 [Option ID = 3241]
2. 2 [Option ID = 3242]
3. 3 [Option ID = 3243]
4. 4 [Option ID = 3244]

2) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

શ્રમથી કૌશલ્ય કેળવાય છે એટલું જ નહીં પણ રચનાત્મક બુદ્ધિ ખીલે છે એનું ભાન જોઈએ તેટલા લોકોને નથી થયું એ દુઃખની વાત છે જ. પણ હાથપગના સ્વાશ્રય વિના ચારિત્ર્ય પણ કોઈ કાળે કેળવાતું નથી; કેળવાય તો મજબૂત થતું નથી; અણીને પ્રસંગે દગો દે છે. એ વસ્તુ તરફ કોઈએ ધ્યાન સરખું ખેચ્યું નથી. એટલે 'ધ્યાન ખેચ્યા છતાં લોકો એ તરફ દુર્લક્ષ કરે છે' એવી ફરિયાદ કરવાનો અવકાશ હજુ મળ્યો નથી. વિલાસિતા અને અપંગતા જાળવીને કોઈએ ચારિત્ર્ય સાચવ્યું હોય એમ આજ સુધી બન્યું નથી, કેમ કે એ વાત મનુષ્યસ્વભાવની વિરુદ્ધ છે. સ્વાશ્રય અને સંયમ એ ચારિત્ર્યનાં બે ફેફસાં છે. એ ચાલે નહીં તો પ્રાણ એક ક્ષણ પણ ટકે નહીં. જ્યાં સ્વાશ્રય અને સંયમ નથી ત્યાં ડગલે ને પગલે ધારેલું જીવન અનેક જાતની લુચ્ચાઈ અને કપટનીતિનો આશ્રય શોધે છે અને પછી આડીઅવળી દલીલોથી આત્મવંચના અને સમાજવંચના કરી પોતાનો બચાવ શોધે છે. સ્વાશ્રયી માનસમાં અખૂટ હિંમત હોવાથી એણે નાસીપાસ થવાનો વારો આવતો નથી. એ દિલદાર હોય છે. બીજાની મૂંઝવણ જોઈ એનું હૈયું સહેજે પીગળે છે. વિકટમાં વિકટ પરિસ્થિતિમાં પણ 'ટકીશ કે કેમ' એવો અણવિશ્વાસ એની પાસે આવતો નથી. કેમ કે જાતમહેનતની બેંકનું કદી દેવાળું નીકળતું નથી. આપણા શરીરને સાચા અર્થમાં સ્વાવલંબી બનાવવું હોય તો પ્રથમ તો આપણે શ્રમ કરવા સર્જાયેલા આપણા શરીરને ભરપૂર પરિશ્રમ કરાવવો જોઈએ. જાતમહેનત વિના કોઈને ખાવાનો અધિકાર નથી એ ફરમાનનો અમલ આપણે પોતે જ કરવો જોઈએ.

ચારિત્ર્યની કેળવણી માટે શું જરૂરી છે ?

(1) પરાયણતા

(2) પરવશતા

(3) સ્વાશ્રય

(4) પરાશ્રય

[Question ID = 812][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q122]

1. 1 [Option ID = 3245]
2. 2 [Option ID = 3246]
3. 3 [Option ID = 3247]
4. 4 [Option ID = 3248]

3) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

શ્રમથી કૌશલ્ય કેળવાય છે એટલું જ નહીં પણ રચનાત્મક બુદ્ધિ ખીલે છે એનું ભાન જોઈએ તેટલા લોકોને નથી થયું એ દુઃખની વાત છે જ. પણ હાથપગના સ્વાશ્રય વિના ચારિત્ર્ય પણ કોઈ કાળે કેળવાતું નથી; કેળવાય તો મજબૂત થતું નથી; અણીને પ્રસંગે દગો દે છે. એ વસ્તુ તરફ કોઈએ ધ્યાન સરખું ખેચ્યું નથી. એટલે 'ધ્યાન ખેચ્યા છતાં લોકો એ તરફ દુર્લક્ષ કરે છે' એવી ફરિયાદ કરવાનો અવકાશ હજુ મળ્યો નથી. વિલાસિતા અને અપંગતા જાળવીને કોઈએ ચારિત્ર્ય સાચવ્યું હોય એમ આજ સુધી બન્યું નથી, કેમ કે એ વાત મનુષ્યસ્વભાવની વિરુદ્ધ છે. સ્વાશ્રય અને સંયમ એ ચારિત્ર્યનાં બે ફેફસાં છે. એ ચાલે નહીં તો પ્રાણ એક ક્ષણ પણ ટકે નહીં. જ્યાં સ્વાશ્રય અને સંયમ નથી ત્યાં ડગલે ને પગલે ધારેલું જીવન અનેક જાતની લુચ્ચાઈ અને કપટનીતિનો આશ્રય શોધે છે અને પછી આડીઅવળી દલીલોથી આત્મવંચના અને સમાજવંચના કરી પોતાનો બચાવ શોધે છે. સ્વાશ્રયી માનસમાં અખૂટ હિંમત હોવાથી એણે નાસીપાસ થવાનો વારો આવતો નથી. એ દિલદાર હોય છે. બીજાની મૂંઝવણ જોઈ એનું હૈયું સહેજે પીગળે છે. વિકટમાં વિકટ પરિસ્થિતિમાં પણ 'ટકીશ કે કેમ' એવો અણવિશ્વાસ એની પાસે આવતો નથી. કેમ કે જાતમહેનતની બેંકનું કદી દેવાળું નીકળતું નથી. આપણા શરીરને સાચા અર્થમાં સ્વાવલંબી બનાવવું હોય તો પ્રથમ તો આપણે શ્રમ કરવા સર્જાયેલા આપણા શરીરને ભરપૂર પરિશ્રમ કરાવવો જોઈએ. જાતમહેનત વિના કોઈને ખાવાનો અધિકાર નથી એ ફરમાનનો અમલ આપણે પોતે જ કરવો જોઈએ.

શેનાથી ચારિત્ર્ય ન સચવાય ?

(1) મદથી

(2) લાગણીગમ્યતા

(3) ભાવુકતા

(4) વિલાસિતા

[Question ID = 813][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q123]

1. 1 [Option ID = 3249]
2. 2 [Option ID = 3250]
3. 3 [Option ID = 3251]
4. 4 [Option ID = 3252]

4) **નિર્દેશ :** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

શ્રમથી કૌશલ્ય કેળવાય છે એટલું જ નહીં પણ રચનાત્મક બુદ્ધિ ખીલે છે એનું ભાન જોઈએ તેટલા લોકોને નથી થયું એ દુઃખની વાત છે જ. પણ હાથપગના સ્વાશ્રય વિના ચારિત્ર્ય પણ કોઈ કાળે કેળવાતું નથી; કેળવાય તો મજબૂત થતું નથી; અણીને પ્રસંગે દગો દે છે. એ વસ્તુ તરફ કોઈએ ધ્યાન સરખું ખેચ્યું નથી. એટલે 'ધ્યાન ખેચ્યા છતાં લોકો એ તરફ દુર્લક્ષ કરે છે' એવી ફરિયાદ કરવાનો અવકાશ હજુ મળ્યો નથી. વિલાસિતા અને અપંગતા જાળવીને કોઈએ ચારિત્ર્ય સાચવ્યું હોય એમ આજ સુધી બન્યું નથી, કેમ કે એ વાત મનુષ્યસ્વભાવની વિરુદ્ધ છે. સ્વાશ્રય અને સંયમ એ ચારિત્ર્યનાં બે ફેફસાં છે. એ ચાલે નહીં તો પ્રાણ એક ક્ષણ પણ ટકે નહીં. જ્યાં સ્વાશ્રય અને સંયમ નથી ત્યાં ડગલે ને પગલે ધારેલું જીવન અનેક જાતની લુચ્ચાઈ અને કપટનીતિનો આશ્રય શોધે છે અને પછી આડીઅવળી દલીલોથી આત્મવંચના અને સમાજવંચના કરી પોતાનો બચાવ શોધે છે. સ્વાશ્રયી માનસમાં અખૂટ હિંમત હોવાથી એણે નાસીપાસ થવાનો વારો આવતો નથી. એ દિલદાર હોય છે. બીજાની મૂંઝવણ જોઈ એનું હૈયું સહેજે પીગળે છે. વિકટમાં વિકટ પરિસ્થિતિમાં પણ 'ટકીશ કે કેમ' એવો અણવિશ્વાસ એની પાસે આવતો નથી. કેમ કે જાતમહેનતની બેંકનું કદી દેવાળું નીકળતું નથી. આપણા શરીરને સાચા અર્થમાં સ્વાવલંબી બનાવવું હોય તો પ્રથમ તો આપણે શ્રમ કરવા સર્જાયેલા આપણા શરીરને ભરપૂર પરિશ્રમ કરાવવો જોઈએ. જાતમહેનત વિના કોઈને ખાવાનો અધિકાર નથી એ ફરમાનનો અમલ આપણે પોતે જ કરવો જોઈએ.

કોણ નાસીપાસ થાય છે ?

(1) સ્વાશ્રયી

(2) પરાશ્રયી

(3) અનુભવી

(4) કપટી

[Question ID = 814][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q124]

1. 1 [Option ID = 3253]
2. 2 [Option ID = 3254]
3. 3 [Option ID = 3255]
4. 4 [Option ID = 3256]

5) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

શ્રમથી કૌશલ્ય કેળવાય છે એટલું જ નહીં પણ રચનાત્મક બુદ્ધિ ખીલે છે એનું ભાન જોઈએ તેટલા લોકોને નથી થયું એ દુ:ખની વાત છે જ. પણ હાથપગના સ્વાશ્રય વિના ચારિત્ર્ય પણ કોઈ કાળે કેળવાતું નથી; કેળવાય તો મજબૂત થતું નથી; અણીને પ્રસંગે દગો દે છે. એ વસ્તુ તરફ કોઈએ ધ્યાન સરખું ખેચ્યું નથી. એટલે 'ધ્યાન ખેચ્યા છતાં લોકો એ તરફ દુર્લક્ષ કરે છે' એવી ફરિયાદ કરવાનો અવકાશ હજુ મળ્યો નથી. વિલાસિતા અને અપંગતા જાળવીને કોઈએ ચારિત્ર્ય સાચવ્યું હોય એમ આજ સુધી બન્યું નથી, કેમ કે એ વાત મનુષ્યસ્વભાવની વિરુદ્ધ છે. સ્વાશ્રય અને સંયમ એ ચારિત્ર્યનાં બે ફેફસાં છે. એ ચાલે નહીં તો પ્રાણ એક ક્ષણ પણ ટકે નહીં. જ્યાં સ્વાશ્રય અને સંયમ નથી ત્યાં ડગલે ને પગલે ધારેલું જીવન અનેક જાતની લુચ્ચાઈ અને કપટનીતિનો આશ્રય શોધે છે અને પછી આડીઅવળી દલીલોથી આત્મવંચના અને સમાજવંચના કરી પોતાનો બચાવ શોધે છે. સ્વાશ્રયી માનસમાં અખૂટ હિંમત હોવાથી એણે નાસીપાસ થવાનો વારો આવતો નથી. એ દિલદાર હોય છે. બીજાની મૂંઝવણ જોઈ એનું હૈયું સહેજે પીગળે છે. વિકટમાં વિકટ પરિસ્થિતિમાં પણ 'ટકીશ કે કેમ' એવો અણવિશ્વાસ એની પાસે આવતો નથી. કેમ કે જાતમહેનતની બેંકનું કદી દેવાળું નીકળતું નથી. આપણા શરીરને સાચા અર્થમાં સ્વાવલંબી બનાવવું હોય તો પ્રથમ તો આપણે શ્રમ કરવા સર્જાયેલા આપણા શરીરને ભરપૂર પરિશ્રમ કરાવવો જોઈએ. જાતમહેનત વિના કોઈને ખાવાનો અધિકાર નથી એ ફરમાનનો અમલ આપણે પોતે જ કરવો જોઈએ.

આપણા શરીરનું સર્જન શા માટે થયેલું છે ?

(1) આળસુ બની પડી રહેવા

(2) નશો કરવા

(3) ભક્તિ કરવા

(4) શ્રમ કરવા

[Question ID = 815][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q125]

1. 1 [Option ID = 3257]
2. 2 [Option ID = 3258]
3. 3 [Option ID = 3259]
4. 4 [Option ID = 3260]

6) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

શ્રમથી કૌશલ્ય કેળવાય છે એટલું જ નહીં પણ રચનાત્મક બુદ્ધિ ખીલે છે એનું ભાન જોઈએ તેટલા લોકોને નથી થયું એ દુ:ખની વાત છે જ. પણ હાથપગના સ્વાશ્રય વિના ચારિત્ર્ય પણ કોઈ કાળે કેળવાતું નથી; કેળવાય તો મજબૂત થતું નથી; અણીને પ્રસંગે દગો દે છે. એ વસ્તુ તરફ કોઈએ ધ્યાન સરખું ખેચ્યું નથી. એટલે 'ધ્યાન ખેચ્યા છતાં લોકો એ તરફ દુર્લક્ષ કરે છે' એવી ફરિયાદ કરવાનો અવકાશ હજુ મળ્યો નથી. વિલાસિતા અને અપંગતા જાળવીને કોઈએ ચારિત્ર્ય સાચવ્યું હોય એમ આજ સુધી બન્યું નથી, કેમ કે એ વાત મનુષ્યસ્વભાવની વિરુદ્ધ છે. સ્વાશ્રય અને સંયમ એ ચારિત્ર્યનાં બે ફેફસાં છે. એ ચાલે નહીં તો પ્રાણ એક ક્ષણ પણ ટકે નહીં. જ્યાં સ્વાશ્રય અને સંયમ નથી ત્યાં ડગલે ને પગલે ધારેલું જીવન અનેક જાતની લુચ્ચાઈ અને કપટનીતિનો આશ્રય શોધે છે અને પછી આડીઅવળી દલીલોથી આત્મવંચના અને સમાજવંચના કરી પોતાનો બચાવ શોધે છે. સ્વાશ્રયી માનસમાં અખૂટ હિંમત હોવાથી એણે નાસીપાસ થવાનો વારો આવતો નથી. એ દિલદાર હોય છે. બીજાની મૂંઝવણ જોઈ એનું હૈયું સહેજે પીગળે છે. વિકટમાં વિકટ પરિસ્થિતિમાં પણ 'ટકીશ કે કેમ' એવો અણવિશ્વાસ એની પાસે આવતો નથી. કેમ કે જાતમહેનતની બેંકનું કદી દેવાળું નીકળતું નથી. આપણા શરીરને સાચા અર્થમાં સ્વાવલંબી બનાવવું હોય તો પ્રથમ તો આપણે શ્રમ કરવા સર્જાયેલા આપણા શરીરને ભરપૂર પરિશ્રમ કરાવવો જોઈએ. જાતમહેનત વિના કોઈને ખાવાનો અધિકાર નથી એ ફરમાનનો અમલ આપણે પોતે જ કરવો જોઈએ.

'સ્વાશ્રય' શબ્દનો સંધિવિગ્રહ કરો

(1) સ્વા+આશ્રય

(2) સ્વ+આશ્રય

(3) સ્વા+શ્રય

(4) સવ+આશ્રય

[Question ID = 816][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q126]

1. 1 [Option ID = 3261]
2. 2 [Option ID = 3262]
3. 3 [Option ID = 3263]
4. 4 [Option ID = 3264]

7) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

શ્રમથી કૌશલ્ય કેળવાય છે એટલું જ નહીં પણ રચનાત્મક બુદ્ધિ ખીલે છે એનું ભાન જોઈએ તેટલા લોકોને નથી થયું એ દુઃખની વાત છે જ. પણ હાથપગના સ્વાશ્રય વિના ચારિત્ર્ય પણ કોઈ કાળે કેળવાતું નથી; કેળવાય તો મજબૂત થતું નથી; અણીને પ્રસંગે દગો દે છે. એ વસ્તુ તરફ કોઈએ ધ્યાન સરખું ખેચ્યું નથી. એટલે 'ધ્યાન ખેચ્યા છતાં લોકો એ તરફ દુર્લક્ષ કરે છે' એવી ફરિયાદ કરવાનો અવકાશ હજુ મળ્યો નથી. વિલાસિતા અને અપંગતા જાળવીને કોઈએ ચારિત્ર્ય સાચવ્યું હોય એમ આજ સુધી બન્યું નથી, કેમ કે એ વાત મનુષ્યસ્વભાવની વિરુદ્ધ છે. સ્વાશ્રય અને સંયમ એ ચારિત્ર્યનાં બે ફેફસાં છે. એ ચાલે નહીં તો પ્રાણ એક ક્ષણ પણ ટકે નહીં. જ્યાં સ્વાશ્રય અને સંયમ નથી ત્યાં ડગલે ને પગલે ધારેલું જીવન અનેક જાતની લુચ્ચાઈ અને કપટનીતિનો આશ્રય શોધે છે અને પછી આડીઅવળી દલીલોથી આત્મવંચના અને સમાજવંચના કરી પોતાનો બચાવ શોધે છે. સ્વાશ્રયી માનસમાં અખૂટ હિંમત હોવાથી એણે નાસીપાસ થવાનો વારો આવતો નથી. એ દિલદાર હોય છે. બીજાની મૂંઝવણ જોઈ એનું હૈયું સહેજે પીગળે છે. વિકટમાં વિકટ પરિસ્થિતિમાં પણ 'ટકીશ કે કેમ' એવો અણવિશ્વાસ એની પાસે આવતો નથી. કેમ કે જાતમહેનતની બેંકનું કદી દેવાળું નીકળતું નથી. આપણા શરીરને સાચા અર્થમાં સ્વાવલંબી બનાવવું હોય તો પ્રથમ તો આપણે શ્રમ કરવા સર્જાયેલા આપણા શરીરને ભરપૂર પરિશ્રમ કરાવવો જોઈએ. જાતમહેનત વિના કોઈને ખાવાનો અધિકાર નથી એ ફરમાનનો અમલ આપણે પોતે જ કરવો જોઈએ.

'પોતાના પર જ નિર્ભર રહેનાર' શબ્દસમૂહ માટે એક શબ્દ આપો.

(1) આત્મજ્ઞાની

(2) આત્મિક

(3) સ્વાર્થી

(4) સ્વાવલંબી

[Question ID = 817][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q127]

1. 1 [Option ID = 3265]
2. 2 [Option ID = 3266]
3. 3 [Option ID = 3267]
4. 4 [Option ID = 3268]

8) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

શ્રમથી કૌશલ્ય કેળવાય છે એટલું જ નહીં પણ રચનાત્મક બુદ્ધિ ખીલે છે એનું ભાન જોઈએ તેટલા લોકોને નથી થયું એ દુઃખની વાત છે જ. પણ હાથપગના સ્વાશ્રય વિના ચારિત્ર્ય પણ કોઈ કાળે કેળવાતું નથી; કેળવાય તો મજબૂત થતું નથી; અણીને પ્રસંગે દગો દે છે. એ વસ્તુ તરફ કોઈએ ધ્યાન સરખું ખેચ્યું નથી. એટલે 'ધ્યાન ખેચ્યા છતાં લોકો એ તરફ દુર્લક્ષ કરે છે' એવી ફરિયાદ કરવાનો અવકાશ હજુ મળ્યો નથી. વિલાસિતા અને અપંગતા જાળવીને કોઈએ ચારિત્ર્ય સાચવ્યું હોય એમ આજ સુધી બન્યું નથી, કેમ કે એ વાત મનુષ્યસ્વભાવની વિરુદ્ધ છે. સ્વાશ્રય અને સંયમ એ ચારિત્ર્યનાં બે ફેફસાં છે. એ ચાલે નહીં તો પ્રાણ એક ક્ષણ પણ ટકે નહીં. જ્યાં સ્વાશ્રય અને સંયમ નથી ત્યાં ડગલે ને પગલે ધારેલું જીવન અનેક જાતની લુચ્ચાઈ અને કપટનીતિનો આશ્રય શોધે છે અને પછી આડીઅવળી દલીલોથી આત્મવંચના અને સમાજવંચના કરી પોતાનો બચાવ શોધે છે. સ્વાશ્રયી માનસમાં અખૂટ હિંમત હોવાથી એણે નાસીપાસ થવાનો વારો આવતો નથી. એ દિલદાર હોય છે. બીજાની મૂંઝવણ જોઈ એનું હૈયું સહેજે પીગળે છે. વિકટમાં વિકટ પરિસ્થિતિમાં પણ 'ટકીશ કે કેમ' એવો અણવિશ્વાસ એની પાસે આવતો નથી. કેમ કે જાતમહેનતની બેંકનું કદી દેવાળું નીકળતું નથી. આપણા શરીરને સાચા અર્થમાં સ્વાવલંબી બનાવવું હોય તો પ્રથમ તો આપણે શ્રમ કરવા સર્જાયેલા આપણા શરીરને ભરપૂર પરિશ્રમ કરાવવો જોઈએ. જાતમહેનત વિના કોઈને ખાવાનો અધિકાર નથી એ ફરમાનનો અમલ આપણે પોતે જ કરવો જોઈએ.

'વિકટ' શબ્દનો વિરોધી શબ્દ આપો.

(1) નિકટ

(2) ટિકિટ

(3) અધૂરું

(4) સરળ

[Question ID = 818][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q128]

1. 1 [Option ID = 3269]
2. 2 [Option ID = 3270]
3. 3 [Option ID = 3271]
4. 4 [Option ID = 3272]

Topic:- Gujarati_Q129-135_L2_P1_CTET

1) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

માત્ર ભાષણો કરવાથી કે લેખો લખવાથી આપણા વિચારો અને સિદ્ધાંતોનો પ્રચાર થતો નથી. પ્રચારનું ખરું સાધન માણસનો આચાર છે. વિચાર પ્રમાણે વર્તન હોય તો જ વિચારોની બીજા માણસો પર અસર થાય છે. સંત એકનાથ પાસે એક દિવસ એક વૃદ્ધ સ્ત્રી આવી, અને પોતાનો પુત્ર ગોળ ખૂબ ખાય છે એવી ફરિયાદ કરી ઉપદેશ આપવાની માંગણી કરી. એકનાથે પોતે પહેલાં ગોળ ખાવાનો બંધ કર્યો પછી ઉપદેશ આપ્યો, એટલે તેની ધારેલી અસર થઈ. બુદ્ધ, મહાવીર અને ગાંધીજીએ સત્ય, અહિંસા અને સાદાઈને જીવનમાં ઉતાર્યાં હતાં. એટલે જ લોકો પર તેમના આ સિદ્ધાંતોની છાપ પડી હતી. શ્રીમંત લોકો સમાજવાદની વાતો કરે તેથી તેનો પ્રચાર ન થઈ શકે. તે માટે તેમણે પોતે જ સમાજવાદને પોતાના જીવનમાં ઉતારવો જોઈએ. એશઆરામ કરનાર લોકો ત્યાગ અને શ્રમનો ઉપદેશ આપે તો તેમની વાત કોઈ સાંભળશે નહીં. વિચાર અને વાણી કરતાં વર્તન વધારે અસરકારક નીવડે છે. વલ્લભભાઈ પટેલે એકવાર કહેલું કે દેશમાં દાવાનળ ફાટી નીકળ્યો હોય ત્યારે લેખો લખવાથી શું વળે ? યુદ્ધના મોરચા પર સાથીઓ બલિદાનથી સૈનિકોમાં જે જુસ્સો આવે છે તે બીજી કોઈ રીતે આવી શકતો નથી. આમ આચારનું મહત્વ જેટલું કરીએ એટલું ઓછું છે. એટલે જ કહેવાયું 'આચાર : પરમો ધરમ'.

વિચારો અને સિદ્ધાંતોનો ફેલાવો કેવી રીતે થાય ?

(1) વિચાર

(2) આચાર

(3) ભાષણ

(4) પ્રસાર

[Question ID = 819][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q129]

1. 1 [Option ID = 3273]
2. 2 [Option ID = 3274]
3. 3 [Option ID = 3275]
4. 4 [Option ID = 3276]

2) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

માત્ર ભાષણો કરવાથી કે લેખો લખવાથી આપણા વિચારો અને સિદ્ધાંતોનો પ્રચાર થતો નથી. પ્રચારનું ખરું સાધન માણસનો આચાર છે. વિચાર પ્રમાણે વર્તન હોય તો જ વિચારોની બીજા માણસો પર અસર થાય છે. સંત એકનાથ પાસે એક દિવસ એક વૃદ્ધ સ્ત્રી આવી, અને પોતાનો પુત્ર ગોળ ખૂબ ખાય છે એવી ફરિયાદ કરી ઉપદેશ આપવાની માંગણી કરી. એકનાથે પોતે પહેલાં ગોળ ખાવાનો બંધ કર્યો પછી ઉપદેશ આપ્યો, એટલે તેની ધારેલી અસર થઈ. બુદ્ધ, મહાવીર અને ગાંધીજીએ સત્ય, અહિંસા અને સાદાઈને જીવનમાં ઉતાર્યાં હતાં. એટલે જ લોકો પર તેમના આ સિદ્ધાંતોની છાપ પડી હતી. શ્રીમંત લોકો સમાજવાદની વાતો કરે તેથી તેનો પ્રચાર ન થઈ શકે. તે માટે તેમણે પોતે જ સમાજવાદને પોતાના જીવનમાં ઉતારવો જોઈએ. એશઆરામ કરનાર લોકો ત્યાગ અને શ્રમનો ઉપદેશ આપે તો તેમની વાત કોઈ સાંભળશે નહીં. વિચાર અને વાણી કરતાં વર્તન વધારે અસરકારક નીવડે છે. વલ્લભભાઈ પટેલે એકવાર કહેલું કે દેશમાં દાવાનળ ફાટી નીકળ્યો હોય ત્યારે લેખો લખવાથી શું વળે ? યુદ્ધના મોરચા પર સાથીઓ બલિદાનથી સૈનિકોમાં જે જુસ્સો આવે છે તે બીજી કોઈ રીતે આવી શકતો નથી. આમ આચારનું મહત્વ જેટલું કરીએ એટલું ઓછું છે. એટલે જ કહેવાયું 'આચાર : પરમો ધરમ'.

એકનાથને સ્ત્રીએ શું કહ્યુ ?

(1) શિખામણ આપવા

(2) ભાષણ આપવા

(3) સજા કરવા

(4) ભાગ આપવા

[Question ID = 820][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q130]

1. 1 [Option ID = 3277]
2. 2 [Option ID = 3278]
3. 3 [Option ID = 3279]
4. 4 [Option ID = 3280]

3) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

માત્ર ભાષણો કરવાથી કે લેખો લખવાથી આપણા વિચારો અને સિદ્ધાંતોનો પ્રચાર થતો નથી. પ્રચારનું ખરું સાધન માણસનો આચાર છે. વિચાર પ્રમાણે વર્તન હોય તો જ વિચારોની બીજા માણસો પર અસર થાય છે. સંત એકનાથ પાસે એક દિવસ એક વૃદ્ધ સ્ત્રી આવી, અને પોતાનો પુત્ર ગોળ ખૂબ ખાય છે એવી ફરિયાદ કરી ઉપદેશ આપવાની માંગણી કરી. એકનાથે પોતે પહેલાં ગોળ ખાવાનો બંધ કર્યો પછી ઉપદેશ આપ્યો, એટલે તેની ધારેલી અસર થઈ. બુદ્ધ, મહાવીર અને ગાંધીજીએ સત્ય, અહિંસા અને સાદાઈને જીવનમાં ઉતાર્યાં હતાં. એટલે જ લોકો પર તેમના આ સિદ્ધાંતોની છાપ પડી હતી. શ્રીમંત લોકો સમાજવાદની વાતો કરે તેથી તેનો પ્રચાર ન થઈ શકે. તે માટે તેમણે પોતે જ સમાજવાદને પોતાના જીવનમાં ઉતારવો જોઈએ. એશઆરામ કરનાર લોકો ત્યાગ અને શ્રમનો ઉપદેશ આપે તો તેમની વાત કોઈ સાંભળશે નહીં. વિચાર અને વાણી કરતાં વર્તન વધારે અસરકારક નીવડે છે. વલ્લભભાઈ પટેલે એકવાર કહેલું કે દેશમાં દાવાનળ ફાટી નીકળ્યો હોય ત્યારે લેખો લખવાથી શું વળે ? યુદ્ધના મોરચા પર સાથીઓ બલિદાનથી સૈનિકોમાં જે જુસ્સો આવે છે તે બીજી કોઈ રીતે આવી શકતો નથી. આમ આચારનું મહત્વ જેટલું કરીએ એટલું ઓછું છે. એટલે જ કહેવાયું 'આચાર : પરમો ધરમ'.

એકનાથના ઉપદેશની ધારી અસર શા માટે થઈ ?

(1) આચરણ પછીનો ઉપદેશ હતો

(2) આચરણ પહેલાનો ઉપદેશ હતો

(3) આચરણ યોગ્ય ન હતું

(4) આચરણ ન કર્યું

[Question ID = 821][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q131]

1. 1 [Option ID = 3281]
2. 2 [Option ID = 3282]
3. 3 [Option ID = 3283]
4. 4 [Option ID = 3284]

4) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

માત્ર ભાષણો કરવાથી કે લેખો લખવાથી આપણા વિચારો અને સિદ્ધાંતોનો પ્રચાર થતો નથી. પ્રચારનું ખરું સાધન માણસનો આચાર છે. વિચાર પ્રમાણે વર્તન હોય તો જ વિચારોની બીજા માણસો પર અસર થાય છે. સંત એકનાથ પાસે એક દિવસ એક વૃદ્ધ સ્ત્રી આવી, અને પોતાનો પુત્ર ગોળ ખૂબ ખાય છે એવી ફરિયાદ કરી ઉપદેશ આપવાની માંગણી કરી. એકનાથે પોતે પહેલાં ગોળ ખાવાનો બંધ કર્યો પછી ઉપદેશ આપ્યો, એટલે તેની ધારેલી અસર થઈ. બુદ્ધ, મહાવીર અને ગાંધીજીએ સત્ય, અહિંસા અને સાદાઈને જીવનમાં ઉતાર્યાં હતાં. એટલે જ લોકો પર તેમના આ સિદ્ધાંતોની છાપ પડી હતી. શ્રીમંત લોકો સમાજવાદની વાતો કરે તેથી તેનો પ્રચાર ન થઈ શકે. તે માટે તેમણે પોતે જ સમાજવાદને પોતાના જીવનમાં ઉતારવો જોઈએ. એશઆરામ કરનાર લોકો ત્યાગ અને શ્રમનો ઉપદેશ આપે તો તેમની વાત કોઈ સાંભળશે નહીં. વિચાર અને વાણી કરતાં વર્તન વધારે અસરકારક નીવડે છે. વલ્લભભાઈ પટેલે એકવાર કહેલું કે દેશમાં દાવાનળ ફાટી નીકળ્યો હોય ત્યારે લેખો લખવાથી શું વળે ? યુદ્ધના મોરચા પર સાથીઓ બલિદાનથી સૈનિકોમાં જે જુસ્સો આવે છે તે બીજી કોઈ રીતે આવી શકતો નથી. આમ આચારનું મહત્વ જેટલું કરીએ એટલું ઓછું છે. એટલે જ કહેવાયું 'આચાર : પરમો ધરમ'.

શ્રીમંત લોકોને શેનો અધિકાર નથી ?

(1) સમાજને બોધ આપવાનો

(2) સમાજ સુધારા કરવાનો

(3) સમાજવાદની વાત કરવાનો

(4) મદદ કરવાનો

[Question ID = 822][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q132]

1. 1 [Option ID = 3285]
2. 2 [Option ID = 3286]
3. 3 [Option ID = 3287]
4. 4 [Option ID = 3288]

5) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

માત્ર ભાષણો કરવાથી કે લેખો લખવાથી આપણા વિચારો અને સિદ્ધાંતોનો પ્રચાર થતો નથી. પ્રચારનું ખરું સાધન માણસનો આચાર છે. વિચાર પ્રમાણે વર્તન હોય તો જ વિચારોની બીજા માણસો પર અસર થાય છે. સંત એકનાથ પાસે એક દિવસ એક વૃદ્ધ સ્ત્રી આવી, અને પોતાનો પુત્ર ગોળ ખૂબ ખાય છે એવી ફરિયાદ કરી ઉપદેશ આપવાની માંગણી કરી. એકનાથે પોતે પહેલાં ગોળ ખાવાનો બંધ કર્યો પછી ઉપદેશ આપ્યો, એટલે તેની ધારેલી અસર થઈ. બુદ્ધ, મહાવીર અને ગાંધીજીએ સત્ય, અહિંસા અને સાદાઈને જીવનમાં ઉતાર્યાં હતાં. એટલે જ લોકો પર તેમના આ સિદ્ધાંતોની છાપ પડી હતી. શ્રીમંત લોકો સમાજવાદની વાતો કરે તેથી તેનો પ્રચાર ન થઈ શકે. તે માટે તેમણે પોતે જ સમાજવાદને પોતાના જીવનમાં ઉતારવો જોઈએ. એશઆરામ કરનાર લોકો ત્યાગ અને શ્રમનો ઉપદેશ આપે તો તેમની વાત કોઈ સાંભળશે નહીં. વિચાર અને વાણી કરતાં વર્તન વધારે અસરકારક નીવડે છે. વલ્લભભાઈ પટેલે એકવાર કહેલું કે દેશમાં દાવાનળ ફાટી નીકળ્યો હોય ત્યારે લેખો લખવાથી શું વળે ? યુદ્ધના મોરચા પર સાથીઓ બલિદાનથી સૈનિકોમાં જે જુસ્સો આવે છે તે બીજી કોઈ રીતે આવી શકતો નથી. આમ આચારનું મહત્ત્વ જેટલું કરીએ એટલું ઓછું છે. એટલે જ કહેવાયું 'આચાર : પરમો ધરમ'.

'એશોઆરામ' કયો સમાસ થશે ?

(1) ઉપપદ

(2) મધ્યમપદલોપી

(3) બહુવ્રિહી

(4) દ્વંદ્વ

[Question ID = 823][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q133]

1. 1 [Option ID = 3289]
2. 2 [Option ID = 3290]
3. 3 [Option ID = 3291]
4. 4 [Option ID = 3292]

6) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

માત્ર ભાષણો કરવાથી કે લેખો લખવાથી આપણા વિચારો અને સિદ્ધાંતોનો પ્રચાર થતો નથી. પ્રચારનું ખરું સાધન માણસનો આચાર છે. વિચાર પ્રમાણે વર્તન હોય તો જ વિચારોની બીજા માણસો પર અસર થાય છે. સંત એકનાથ પાસે એક દિવસ એક વૃદ્ધ સ્ત્રી આવી, અને પોતાનો પુત્ર ગોળ ખૂબ ખાય છે એવી ફરિયાદ કરી ઉપદેશ આપવાની માંગણી કરી. એકનાથે પોતે પહેલાં ગોળ ખાવાનો બંધ કર્યો પછી ઉપદેશ આપ્યો, એટલે તેની ધારેલી અસર થઈ. બુદ્ધ, મહાવીર અને ગાંધીજીએ સત્ય, અહિંસા અને સાદાઈને જીવનમાં ઉતાર્યાં હતાં. એટલે જ લોકો પર તેમના આ સિદ્ધાંતોની છાપ પડી હતી. શ્રીમંત લોકો સમાજવાદની વાતો કરે તેથી તેનો પ્રચાર ન થઈ શકે. તે માટે તેમણે પોતે જ સમાજવાદને પોતાના જીવનમાં ઉતારવો જોઈએ. એશઆરામ કરનાર લોકો ત્યાગ અને શ્રમનો ઉપદેશ આપે તો તેમની વાત કોઈ સાંભળશે નહીં. વિચાર અને વાણી કરતાં વર્તન વધારે અસરકારક નીવડે છે. વલ્લભભાઈ પટેલે એકવાર કહેલું કે દેશમાં દાવાનળ ફાટી નીકળ્યો હોય ત્યારે લેખો લખવાથી શું વળે ? યુદ્ધના મોરચા પર સાથીઓ બલિદાનથી સૈનિકોમાં જે જુસ્સો આવે છે તે બીજી કોઈ રીતે આવી શકતો નથી. આમ આચારનું મહત્વ જેટલું કરીએ એટલું ઓછું છે. એટલે જ કહેવાયું 'આચાર : પરમો ધરમ'.

'વનમાં આપમેળે લાગેલી આગ' શબ્દસમૂહ માટે એક શબ્દ આપો.

(1) અગ્નિ

(2) વડવાનલ

(3) દાવાનલ

(4) જંગલાગ્નિ

[Question ID = 824][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q134]

1. 1 [Option ID = 3293]
2. 2 [Option ID = 3294]
3. 3 [Option ID = 3295]
4. 4 [Option ID = 3296]

7) ***નિર્દેશ :*** *નીચેનો ફકરો વાંચી આપેલા પ્રશ્નોના જવાબ શોધો.*

માત્ર ભાષણો કરવાથી કે લેખો લખવાથી આપણા વિચારો અને સિદ્ધાંતોનો પ્રચાર થતો નથી. પ્રચારનું ખરું સાધન માણસનો આચાર છે. વિચાર પ્રમાણે વર્તન હોય તો જ વિચારોની બીજા માણસો પર અસર થાય છે. સંત એકનાથ પાસે એક દિવસ એક વૃદ્ધ સ્ત્રી આવી, અને પોતાનો પુત્ર ગોળ ખૂબ ખાય છે એવી ફરિયાદ કરી ઉપદેશ આપવાની માંગણી કરી. એકનાથે પોતે પહેલાં ગોળ ખાવાનો બંધ કર્યો પછી ઉપદેશ આપ્યો, એટલે તેની ધારેલી અસર થઈ. બુદ્ધ, મહાવીર અને ગાંધીજીએ સત્ય, અહિંસા અને સાદાઈને જીવનમાં ઉતાર્યાં હતાં. એટલે જ લોકો પર તેમના આ સિદ્ધાંતોની છાપ પડી હતી. શ્રીમંત લોકો સમાજવાદની વાતો કરે તેથી તેનો પ્રચાર ન થઈ શકે. તે માટે તેમણે પોતે જ સમાજવાદને પોતાના જીવનમાં ઉતારવો જોઈએ. એશઆરામ કરનાર લોકો ત્યાગ અને શ્રમનો ઉપદેશ આપે તો તેમની વાત કોઈ સાંભળશે નહીં. વિચાર અને વાણી કરતાં વર્તન વધારે અસરકારક નીવડે છે. વલ્લભભાઈ પટેલે એકવાર કહેલું કે દેશમાં દાવાનળ ફાટી નીકળ્યો હોય ત્યારે લેખો લખવાથી શું વળે ? યુદ્ધના મોરચા પર સાથીઓ બલિદાનથી સૈનિકોમાં જે જુસ્સો આવે છે તે બીજી કોઈ રીતે આવી શકતો નથી. આમ આચારનું મહત્વ જેટલું કરીએ એટલું ઓછું છે. એટલે જ કહેવાયું 'આચાર : પરમો ધરમ'.

'આચાર' શબ્દનો વિરોધી શબ્દ શોધો.

(1) અનાચાર

(2) અચાર

(3) નિરાચાર

(4) વ્યભિચાર

[Question ID = 825][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q135]

1. 1 [Option ID = 3297]
2. 2 [Option ID = 3298]
3. 3 [Option ID = 3299]
4. 4 [Option ID = 3300]

Topic:- Gujarati_Q136-150_L2_P1_CTET

1) એક ચોક્કસ વર્ગ, કોર્સ કે કાર્યક્રમના અંતે વિદ્યાર્થીઓએ પ્રાપ્ત કરવાની થતી સિદ્ધિ, અભિગમ, જ્ઞાન કે કૌશલ્યની વિગતો જેમાં સમાવિષ્ટ હોય એ વિધાન કે પરિણતિને શું કહેવાય ?

(1) પરિણામ કે પરીક્ષાફળ

(2) શીખવાની શૈલી

(3) શીખવાનું સ્તર

(4) શીખવાની અક્ષમતા

[Question ID = 826][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q136]

1. 1 [Option ID = 3301]
2. 2 [Option ID = 3302]
3. 3 [Option ID = 3303]
4. 4 [Option ID = 3304]

2) શીખવાની પ્રવૃત્તિમાં માધ્યમથી એક શિક્ષિકા વિદ્યાર્થીઓને લેખિત અને વાચિક ભાષામાં પ્રયોગો કરવાની અને સંભાવનાઓ તપાસવાની તક પૂરી પાડે છે. શિક્ષિકા શેના પર ભાર આપી રહી છે ?

(1) સમગ્ર ભૌતિક પ્રતિભાવ

(2) કાર્ય-કેન્દ્રી ભાષા શિક્ષણ

(3) શિક્ષણનો શબ્દાર્થપરક અભિગમ

(4) શિક્ષણનો ભાષાપરક અભિગમ

[Question ID = 827][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q137]

1. 1 [Option ID = 3305]
2. 2 [Option ID = 3306]
3. 3 [Option ID = 3307]
4. 4 [Option ID = 3308]

3) પહેલા ધોરણની શિક્ષિકા વિદ્યાર્થી સાથે રમતો રમે છે જેમાં તેમને ચાલવાનું, દોડવાનું, બેસવાનું, ગોઠણભેર બેસવાનું, ઘૂંટણિયા તાણવાનું અને એવી અન્ય શારીરિક પ્રવૃતિ કરવાનું કહેવામાં આવે છે આ દ્વારા શિક્ષિકા શું કરી રહી છે ?

(1) સમગ્ર બૌદ્ધિક વિકાસ

(2) વિશિષ્ટ બૌદ્ધિક વિકાસ

(3) સમગ્ર ભૌતિક પ્રતિભાવ

(4) શારીરિક શિક્ષણ પ્રવૃત્તિઓ

[Question ID = 828][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q138]

1. 1 [Option ID = 3309]
2. 2 [Option ID = 3310]
3. 3 [Option ID = 3311]
4. 4 [Option ID = 3312]

4) પાઠ્યપુસ્તકને સમજવાની અને એમાંની માહિતી સંપ્રાપ્ત કરવાની તેમજ એનું અર્થઘટન કરવાની વિદ્યાર્થીઓની ક્ષમતાને શું કહેવાય છે ?

(1) વાચન પ્રવાહિતા (રિડિંગ ફ્લુઅન્સી)

(2) વિસંકેતીકરણ (ડિકોડિંગ)

(3) શ્રુતલેખન

(4) વાચન આકલન

[Question ID = 829][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q139]

1. 1 [Option ID = 3313]
2. 2 [Option ID = 3314]
3. 3 [Option ID = 3315]
4. 4 [Option ID = 3316]

5) ધ્વનિનિર્માણ માટે જીભ અને હોઠના સંકલનને પ્રભાવિત કરનાર બૌદ્ધિક અક્ષમતાને શું કહેવાય ?

(1) ડિસકેલકુલિઆ

(2) ડિસફેસિઆ

(3) ડિસપ્રેક્સિઆ

(4) ડિસલેક્સિઆ

[Question ID = 830][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q140]

1. 1 [Option ID = 3317]
2. 2 [Option ID = 3318]
3. 3 [Option ID = 3319]
4. 4 [Option ID = 3320]

6) નીચેનામાંથી કયુ વિધાન વ્યોગોત્સ્કીની ભાષાવિકાસ થિઅરી પર આધારિત છે ?

(1) જ્યારે બાળક જન્મે ત્યારે એનામાં ભાષાની બુનિયાદી ક્ષમતા નથી હોતી

(2) ભાષાનો વિકાસ એ સામાન્ય બૌદ્ધિક વિકાસના અનુસંધાનમાં જ હોય છે

(3) ભાષા સામાજિક આદાનપ્રદાનથી વિકસે છે

(4) વિધાયક સશક્તિકરણની પેદાશ તરીકે બાળકો ભાષા શીખે છે

[Question ID = 831][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q141]

1. 1 [Option ID = 3321]
2. 2 [Option ID = 3322]
3. 3 [Option ID = 3323]
4. 4 [Option ID = 3324]

7) નીચેનામાંથી કઈ બાબત કાર્ય-આધારિત ભાષા શિક્ષણના સિદ્ધાંતોમાં સમાવિષ્ટ નથી ?

(1) ઢાંચાનિર્માણ

(2) સક્રિય શિક્ષણ

(3) સર્જન અને પુનર્નિર્માણ

(4) અનુવાદકેન્દ્રી પ્રતિબિંબન

[Question ID = 832][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q142]

1. 1 [Option ID = 3325]
2. 2 [Option ID = 3326]
3. 3 [Option ID = 3327]
4. 4 [Option ID = 3328]

8) ભાષાશિક્ષણનો સંરચનાત્મક અભિગમ શિક્ષક પાસેથી કેવી અપેક્ષા રાખે છે ?

(1) વિદ્યાર્થીઓને પૂર્વરચિત જ્ઞાન આપવામાં આવે તેવી

(2) પોતાનો પાઠ્યક્રમ જાતે બનાવી લેવાની

(3) વિદ્યાર્થીઓ પાસે એમનું પાઠ્યપુસ્તક જાતેજ બનાવડાવાવી

(4) વિદ્યાર્થીઓના અનુભવના આધારે એમનું જ્ઞાનસંરચન નિર્માણ કરાવવાની

[Question ID = 833][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q143]

1. 1 [Option ID = 3329]
2. 2 [Option ID = 3330]
3. 3 [Option ID = 3331]
4. 4 [Option ID = 3332]

9) *દાવો (A) :*
ઉપચારાત્મક શિક્ષણ એ એક વ્યવસ્થિત પ્રક્રિયા છે કેમકે શિક્ષક પહેલા વિદ્યાર્થીઓની સમસ્યાઓનું નિદાન કરે છે અને પછી યોગ્ય પદ્ધતિ અપનાવે છે.
કારણ (R) :
ઉપચારાત્મક પદ્ધતિ અપનાવતા પહેલા શિક્ષકને વિદ્યાર્થીઓની નબળાઈ અને ક્ષમતાનો સંપૂર્ણ ખ્યાલ હોવો જોઈએ.
નીચેનામાંથી યોગ્ય ઉત્તર પસંદ કરો.

(1) A અને R બંને સાચા અને R એ Aનું યોગ્ય સ્પષ્ટીકરણ છે

(2) A અને R બંને સાચા છે પણ R એ Aનું યોગ્ય સ્પષ્ટીકરણ નથી

(3) A સાચું અને R ખોટું છે

(4) A ખોટું અને R સાચું છે

[Question ID = 834][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q144]
1. 1 [Option ID = 3333]
2. 2 [Option ID = 3334]
3. 3 [Option ID = 3335]
4. 4 [Option ID = 3336]

10) *દાવો (A) :*
તમે જેટલા નાના હો એટલી જ તમને ભાષા શીખવામાં સરળતા રહે છે.
કારણ (R) :
પ્રારંભિક વર્ષોમાં જો ભાષા શીખવામાં આવે તો સાચા અને સ્પષ્ટ ઉચ્ચારોનું વિકસન અનાયાસ થાય છે.
નીચેનામાંથી યોગ્ય ઉત્તર પસંદ કરો.

(1) A અને R બંને સાચા છે R દ્વારા Aનું યોગ્ય સ્પષ્ટીકરણ મળે છે

(2) A અને R બંને સાચા છે પરંતુ R દ્વારા Aનું યોગ્ય સ્પષ્ટીકરણ મળતું નથી

(3) A સાચું છે પણ R ખોટું છે

(4) A ખોટું છે પણ R સાચું છે

[Question ID = 835][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q145]
1. 1 [Option ID = 3337]
2. 2 [Option ID = 3338]
3. 3 [Option ID = 3339]
4. 4 [Option ID = 3340]

11) બાળકો જ્યારે માન્ય વ્યાકરણ શીખે છે ત્યારે મોટેભાગે તેનું સાધારણીકરણ કરે છે કેમ કે

(1) ચોક્સાઈ કેળવવા માટે તેઓ સભાનતાપૂર્વક ભાષાના નિયમો શીખે છે
(2) તેઓ માની લે છે કે વાક્યરચનાના સામાન્ય નિયમો બધે જ લાગુ પડે છે
(3) ભાષા પર પકડ મેળવવા માટે તેઓ વ્યાકરણનો પ્રયોગ કરે છે
(4) બાળકો ભાષાના બુનિયાદી નિયમો વાલીઓ પાસેથી શીખે છે

[Question ID = 836][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q146]
1. 1 [Option ID = 3341]
2. 2 [Option ID = 3342]
3. 3 [Option ID = 3343]
4. 4 [Option ID = 3344]

12) પુસ્તકમાંથી માહિતી મેળવીને એનું પ્રાથમિક સ્તરથી આગળનું અર્થઘટન કરવું એટલે...

(1) પૂર્વાનુમાન
(2) તુલના
(3) અર્થવલોણું
(4) નિષ્કર્ષપ્રાપ્તિ

[Question ID = 837][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q147]
1. 1 [Option ID = 3345]
2. 2 [Option ID = 3346]
3. 3 [Option ID = 3347]
4. 4 [Option ID = 3348]

13) પાંચમા ધોરણના એક વિદ્યાર્થીને એના મિત્રની પંજાબી ભાષા સાંભળીને સમજવામાં રહેલી પણ વાંચવામાં પડકારરૂપ લાગે છે. આ બાબત એને સ્વમૂલ્યાંકન માટે પ્રેરે છે કેમ કે એણે __________ કર્યું છે.

(1) શિક્ષણનું આકલન
(2) શિખવા માટેનું આકલન
(3) શિક્ષણ એટલે આકલન
(4) શિક્ષણમાં આકલન

[Question ID = 838][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q148]
1. 1 [Option ID = 3349]
2. 2 [Option ID = 3350]
3. 3 [Option ID = 3351]
4. 4 [Option ID = 3352]

14) ભાષા આકલનનો ઉદ્દેશ શું માપવાનો છે ?

(1) વિદ્યાર્થીની એના જોડીદારોની તુલનામાં કેટલી સિદ્ધિ છે

(2) તેમનું સમગ્રલક્ષી અથવા સામયિક આકલન

(3) વિદ્યાર્થીઓની ભાષાસિદ્ધિ

(4) વિદ્યાર્થીઓની ભાષાક્ષમતા

[Question ID = 839][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q149]

1. 1 [Option ID = 3353]
2. 2 [Option ID = 3354]
3. 3 [Option ID = 3355]
4. 4 [Option ID = 3356]

15) સ્ટીફન ક્રેશનની 'આકલનક્ષમ ઈનપુટ' થિયરીમાં શેના પર ભાર અપાયો છે ?

(1) વિદ્યાર્થીઓને એમની ક્ષમતા અનુસાર ભાષા અને સંરચના આપવાનો

(2) પાઠ્યપુસ્તક અને શિક્ષક દ્વારા વિદ્યાર્થીઓને જે ઈનપુટ મળે તે

(3) વિદ્યાર્થીઓને એમના સારથી એજ ઊંચા સ્તરની ભાષાનો પરિચય કરાવવા પર

(4) વિદ્યાર્થીના સ્તરથી થોડી ઉપરના સ્તરની સામગ્રી અને પુસ્તકોનો પરિચય કરાવવા પર

[Question ID = 840][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_102_GUJARATI_Q150]

1. 1 [Option ID = 3357]
2. 2 [Option ID = 3358]
3. 3 [Option ID = 3359]
4. 4 [Option ID = 3360]